संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 83
पृष्ठ 8
बुधवार
10 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- वेट लॉस से लेकर हॉर्ट हेल्थ तक....
विचार- अपने हर काम में परफेक्शन की ...
खेल- ऑस्ट्रेलिया को झटका, हेजलवुड...

राष्ट्रगीत का दमन इंदिरा गांधी के शासनकाल में शुरू हुआ

वंदे मातरम पर अमित शाह का कांग्रेस पर अब तक का सबसे बड़ा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में वंदे मातरम पर बहस के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राष्ट्रगीत का दमन इंदिरा गांधी के शासनकाल में शुरू हुआ, जब "वंदे मातरम बोलने वालों को जेल में डाल दिया गया" और अखबार बंद कर दिए गए। शाह ने कहा कि भारत में किसी भी महान रचना की हर बड़ी उपलब्धि का जश्न मनाया जाता है, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के कारण पिछली वर्षगांठों पर वंदे मातरम को उचित मान्यता नहीं मिली। अमित शाह ने विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों की गिरफ्तारी और अखबारों पर सेंसरशिप को याद करते हुए कहा कि जब वंदे मातरम के 50 साल पूरे हुए, तब देश स्वतंत्र नहीं हुआ था। जब इसकी स्वर्ण जयंती आई, तो जवाहरलाल नेहरू ने इसे दो भागों में विभाजित कर दिया। जब यह 100 साल का हो गया, तो इसका कोई महिमामंडन नहीं हुआ क्योंकि आपातकाल के दौरान इंदिरा जी ने वंदे मातरम बोलने वालों को जेल में डाल दिया था। केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय गीत को लेकर पार्टी की तुष्टिकरण की राजनीति ने भारत के विभाजन में योगदान दिया। शाह ने कहा कि मेरे जैसे कई लोग मानते हैं कि अगर कांग्रेस ने अपनी तुष्टिकरण की नीति के तहत वंदे मातरम का विभाजन नहीं किया होता, तो देश का विभाजन नहीं होता और आज देश अखंड होता। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जवाहरलाल नेहरू द्वारा अपनी स्वर्ण जयंती के दौरान गीत को दो छंदों तक सीमित करने के फैसले ने राजनीतिक तुष्टिकरण की

शुरुआत की। शाह ने आरोप लगाया कि कई भारतीय ब्लॉक नेताओं ने ऐतिहासिक रूप से वंदे मातरम गाने से इनकार किया है, और ऐसे उदाहरणों का हवाला दिया जब गीत गाए जाने पर सदस्य लोकसभा से बहिर्गमन कर गए थे। उन्होंने कहा, "उस समय, जब हम वंदे मातरम गाना शुरू कर रहे थे, तो इंडिया गठबंधन के कई लोगों ने कहा था कि वे इसे नहीं गाएंगे।" सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए भाजपा के दीर्घकालिक प्रयासों को याद करते हुए, शाह ने कहा कि पार्टी ने संसद में राष्ट्रगीत गायन की परंपरा को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 1992 में, भाजपा सांसद राम नाइक ने वंदे मातरम गायन को फिर से शुरू करने का मुद्दा उठाया था। उस समय, विपक्ष के नेता लालकृष्ण आडवाणी ने लोकसभा अध्यक्ष से इस प्रथा को बहाल करने का पुरजोर आग्रह किया था। लोकसभा ने सर्वसम्मति से इसे मंजूरी दे दी थी। शाह ने आगे कहा कि वंदे मातरम कभी आज़ादी का नारा था और अब यह एक विकसित भारत के निर्माण का नारा बनेगा। उन्होंने कहा, ष्उस युग में वंदे मातरम देश को आज़ाद कराने का कारण बना और अमृत काल में यह देश के विकास और उसे महान बनाने का नारा बनेगा।ष इस बीच, ये चर्चाएँ वंदे मातरम की विरासत और 150 वर्षों के स्मरणोत्सव पर विशेष संसदीय ध्यान का हिस्सा हैं। लोकसभा में सोमवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर हुई चर्चा में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने स्वतंत्रता संग्राम में बंकिम चंद्र चटर्जी की रचना की भूमिका को रेखांकित किया, वहीं भाजपा और विपक्षी सदस्यों ने एक–दूसरे पर निशाना भी साधा।

हम सिकंदर को क्यों महान कहे, हम महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी को महान क्यों नहीं कहते : योगी

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर गोरखपुर में है। वह आज सैनिक स्कूल में देश के पहले सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) स्व. विपिन रावत की स्मृति में बने ऑडिटोरियम का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने देश के प्रथम सीडीएस, पद्म विभूषण जनरल बिपिन रावत जी को विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान कहा कि हम सिकंदर को क्यों महान कहे.. हम महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, जनरल विपिन रावत को महान क्यों नहीं कहते। हमारे लिए विदेशी आक्रांता महान नहीं हो सकते है। पूर्व में इतिहास में छेड़छाड़ कर विदेशी आक्रांताओं को महान बनाने का काम किया है वो गुलामी की मानसिकता है, जिसे त्यागना होगा। आप

को बता दें कि गोरक्षपीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह का शुभारंभ 4 दिसंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के साथ हुआ था। शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य आपदा प्रबंध प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का 10 दिसंबर को समापन सप्ताह भर चली विभिन्न प्रतियोगिताओं के मेधावियों को पुरस्कृत करने के साथ होगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह के हाथों पुरस्कृत होंगी। इस दौरान परिषद की सर्वश्रेष्ठ संस्था, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक, सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी, इंटरमीडिएट, स्नातक व परास्नातक के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा।

ऐसा कोई कानून नहीं होना चाहिए जो जनता को परेशान करे, इंडिगो संकट पर एनडीए की मीटिंग में पीएम मोदी का सीधा संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनावों में गठबंधन की शानदार जीत के लिए मंगलवार को सत्तारूढ़ एनडीए के सभी सांसदों की एक बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी गई। बैठक की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने सभी सांसदों को अपने–अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए काम करने का निर्देश दिया। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सभी क्षेत्रों में सुधारों पर ज़ोर दिया ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी इंडिगो के मौजूदा परिचालन संकट के कारण लोगों को हो रही परेशानियों के बीच आई है। बिहार चुनाव में जीत के लिए प्रधानमंत्री का माला पहनाकर स्वागत किया गया। उन्होंने एनडीए के सभी सांसदों को देश, अपने निर्वाचन क्षेत्रों और अपने राज्यों के लिए क्या करना चाहिए, इस बारे में बेहतरीन दिशा–निर्देश और मार्गदर्शन दिया। मैं एक बात का विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूँगा। प्रधानमंत्री ने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सुधारों पर बहुत ज़ोर दिया है। रिजिजू ने कहा कि उनका आशय देश के आम लोगों के जीवन को आसान और आरामदायक बनाने के लिए सुधारों से था। हर क्षेत्र में सुधार। रिजिजू ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सभी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लोगों को सरकार से कोई परेशानी न हो।

राहुल गांधी ने सरकार पर बोला हमला, कहा-

चुनाव आयोग के जरिए लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है भाजपा

● चुनाव आयोग पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। शीतकालीन सत्र में मंगलवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी चुनाव सुधारों पर हो रही चर्चा में शामिल हुए। चर्चा के दौरान खादी पर बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि, देश के पहनावे में देश की झलक दिखती है। खादी देश की भावना है। हमारा देश 150 करोड़ लोगों से बना है। देश के सारे धागे एक जैसे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आरएसएस सभी संस्थाओं पर कब्जा करना चाहता है। नाथूराम गोडसे ने गांधी को मारा। यह असहज करने वाला सत्य है। चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान सदन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि 30 जनवरी, 1948 को महात्मा गांधी की छाती में तीन गोलियां लगीं। नाथूराम गोडसे ने हमारे राष्ट्रपिता की हत्या कर दी। आज हमारे दोस्तों ने उन्हें दूर धकेल दिया है। वह एक असहज सच्चाई हैं, लेकिन प्रोजेक्ट यहीं खत्म नहीं हुआ। जैसा कि मैंने कहा, सब कुछ वोट से निकला है। सभी संस्थाएं वोट से निकली हैं। इसलिए यह साफ है कि आरएसएस को उन सभी संस्थाओं पर कब्जा करना होगा जो वहां से निकली हैं। राहुल गांधी ने कहा, सभी जानते हैं कि कैसे भारत के विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलरों की नियुक्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि इससे कोई मतलब नहीं है कि व्यक्ति की योग्यता क्या है, बस उसकी एक योग्यता है कि वह संघ से जुड़ा हो। इस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। स्पीकर ओम बिरला ने राहुल गांधी से कहा कि आप चुनाव सुधार पर ही बोलिए, किसी संगठन का नाम मत लीजिए। राहुल के बायन पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम सभी लोग नेता प्रतिपक्ष को सुनने के लिए ही बैठे हैं। अगर वह विषय पर ही नहीं बोलेंगे, तो क्यों समय खराब कर रहे हैं सबका। सत्ता पक्ष के हंगामे पर राहुल गांधी ने कहा कि मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा है। शिक्षण संस्थाओं पर कब्जा किया गया है। सीबीआई, ईडी पर भी एक संस्था से जुड़े लोगों ने कब्जा किया गया है। तीसरी संस्था चुनाव आयोग पर भी एक संस्था का कब्जा है, जो देश में चुनाव को नियंत्रित करती है। मेरे पास इसके सबूत हैं। भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रही है।

राजस्थान उच्च न्यायालय को आज फिर मिली बम धमकी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में मंगलवार को सुबह राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब अदालत प्रशासन को फिर से एक धमकी–भरा ई–मेल प्राप्त हुआ। इस मेल में कोर्ट परिसर में बम लगाए होने की चेतावनी दी गई थी। ई–मेल मिलते ही सुरक्षा एजेंसियाँ सतर्क हो गयी और बिना समय गंवाए पूरे परिसर को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। वकीलों, कर्मचारियों, वादकर्ताओं एवं आगंतुकों को सुरक्षित बाहर निकालकर सभी न्यायिक कार्यवाही तुरंत स्थगित कर दी गई। धमकी के बाद पुलिस, आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस), विशेष अभियान दल (एसओजी), बम निरोधक दस्ते और डॉग–स्क्वाड के कई दल उच्च न्यायालय परिसर पहुँचे। सुरक्षा दलों ने मुख्य भवन से लेकर पार्किंग, रिकॉर्ड रूम, गलियारों और आस–पास के क्षेत्रों तक विस्तृत तलाशी अभियान चलाया। करीब दो घंटे की जांच के बावजूद किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री का पता नहीं चल सका। इसके बाद इसे झूठी धमकी मानते हुए मामले की साइबर जांच शुरू कर दी गई।

ममता बनर्जी का केंद्र पर हल्ला बोल, कहा-

फंड रोकने से नहीं रुकेगा बंगाल का विकास

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार को किसी सहायता की आवश्यकता नहीं है और सभी कल्याणकारी योजनाओं को स्वतंत्र रूप से चलाना जारी रखेगी। उन्होंने एनआरसी और सीएए के प्रति अपने कड़े विरोध को भी दोहराया और घोषणा की कि बंगाल कभी भी डिटेंशन कैंप की अनुमति नहीं देगा। एक जनसभा को संबोधित करते हुए, बनर्जी

ने कहा कि हमें केंद्र से किसी मदद की आवश्यकता नहीं है; हम सभी योजनाएँ स्वयं चला रहे हैं। परसों, उन्होंने (केंद्र ने) हमें एक नोटिस जारी कर 6 दिसंबर तक तिमाही श्रम बजट जमा करने को कहा था। लेकिन मैं कहना चाहती हूँ कि आपके नोटिस का कोई महत्व नहीं है। बंगाल 100 दिनों का कार्य कार्यक्रम अपने दम पर चलाएगा। मुख्यमंत्री ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने का संकल्प लिया और कहा कि बंगाल में कोई डिटेंशन कैंप नहीं होगा। न एनआरसी, न सीएए, हम इन्हें कभी स्वीकार नहीं करेंगे। हम लोकतंत्र बचाएँगे और बंगाल को बचाएँगे। मनरेगा फंड के निलंबन को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और अन्य नेताओं से मुलाकात की थी, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। ममता ने कहा, ष्उन्होंने 100 दिनों के काम के लिए धनराशि रोक दी। मैंने प्रधानमंत्री और अन्य नेताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और धनराशि फिर से शुरू करने की अपील की। घ्निचली अदालत से लेकर उच्च न्यायालय तक, सभी ने 100 दिनों का काम शुरू करने का आदेश दिया, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने 32 भारतीय मछुआरों को सफलतापूर्वक वापस लाया है, जो अनजाने में बांग्लादेश में प्रवेश कर गए थे। इसके साथ ही एक महिला और उसके बच्चे को भी मालदा सीमा के माध्यम से वापस लाया गया है।

दिसम्बर माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता विचार मंच गोंडा इकाई की जिलाध्यक्ष विभा श्रीवास्तव जी को दिया जाएगा

प्रयागराज। हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति

सम्मान दिसम्बर 2025 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी गोंडा इकाई की जिलाध्यक्ष श्रीमती विभा श्रीवास्तव जी को दिया जाएगा। रचनाकार विभा श्रीवास्तव जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

खड़गे ने राज्यसभा में खोला इतिहास का पन्ना, 'वंदे मातरम' को लेकर किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि जब 1921 मेंअसहयोग आंदोलन के दौरान उनकी पार्टी के नेता 'वंदे मातरम' का नारा लगाते हुए जेल में बंद थे, तब भाजपा के वैचारिक पूर्ववर्ती अंग्रेजों के लिए काम कर रहे थे। राज्यसभा में वंदे मातरम पर बहस मेंभाग लेते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान श्वंदे मातरमश को नारा बनाने का काम किया था। खड़गे ने कहा कि आपका (भाजपा) इतिहास रहा है कि आप हमेशा स्वतंत्रता संग्राम और देशभक्ति के गीतों के खिलाफ रहे हैं। जब महात्मा गांधी ने 1921 में असहयोग आंदोलन शुरू किया, तो कांग्रेस के लाखों स्वतंत्रता सेनानी श्वंदे मातरमश का नारा लगाते हुए जेल गए। आप क्या कर रहे थे? आप अंग्रेजों के लिए काम कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जवाहरलाल नेहरू का अपमान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। खड़गे ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह भी यही करते हैं। राज्यसभा में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर विशेष चर्चा हो रही है। इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को उन आरोपों को खारिज कर दिया कि वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर राज्यसभा में विशेष चर्चा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक रूप से आयोजित की गई थी। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि आलोचकों को राष्ट्रीय गीत की विरासत और महत्व के बारे में नए सिरे से सोचने की ज़रूरत है।

यात्रियों को अब नहीं होना होगा परेशान! इंडिगा के सीईओ पीटर एल्बर्स का दावा, फ्लाइट ऑपरेशन अब सामान्य

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो एयरलाइंस ने देश भर में सैकड़ों उड़ानों के रद्द होने और देरी के कारण भारतीय हवाई अड्डों पर मची अफरा–तफरी के लगभग एक हफ्ते बाद अपना परिचालन बहाल कर दिया है। एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने मंगलवार को जारी एक नए बयान में यात्रियों से माफ़ी मांगी है। इंडिगो के सीईओ एल्बर्स ने एयरलाइन के बड़े परिचालन व्यवधानों के कारण उन्हें निराश करने के लिए हजारों प्रभावित यात्रियों से माफ़ी मांगी है। सीईओ पीटर एल्बर्स ने एक बयान में कहा– हमारे पिछले संवाद के बाद, मैं यह साझा करने के लिए यहाँ हूँ कि हमारी

एयरलाइन, इंडिगो, अपने पैरों पर वापस आ गई है और हमारा परिचालन स्थिर है। जब एक बड़ा परिचालन व्यवधान हुआ तो हमने आपको निराश किया, और हमें इसके लिए खेद है। हवाई यात्रा की खूबसूरती यह है कि यह लोगों, भावनाओं, महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं को एक साथ लाती है, और हम जानते हैं कि आप विभिन्न कारणों से यात्रा कर रहे हैं। हज़ारों फंसे हुए ग्राहकों को राहत पहुँचाने की एयरलाइन की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, सीईओ ने कहा कि आपमें से हज़ारों लोग यात्रा नहीं कर पाए, और हम इसके लिए बेहद खेद व्यक्त करते हैं। हालाँकि हम रद्दीकरण को वापस नहीं ले सकते, लेकिन मैं आश्वस्त करना चाहता हूँ कि हमारी पूरी इंडिगो टीम कड़ी मेहनत कर रही है। सबसे पहले, आप हमारे मूल्यवान ग्राहकों के लिए। शुरुआत में, हमारी पहली प्राथमिकता सभी फंसे हुए और विलंबित ग्राहकों को सुरक्षित उनके गंतव्य या घर पहुँचाना था। इंडिगो ने प्रभावित यात्रियों को पहले ही पूरा रिफंड जारी कर दिया है, और हालाँकि उड़ानों और टिकटों के रद्दीकरण को वापस नहीं लिया जा सकता, उन्होंने कहा कि एयरलाइन यात्रियों को राहत पहुँचाने के लिए "बहुत मेहनत" कर रही है, जिसमें उनका सामान वापस करना भी शामिल है।

प्रयागराज में एंटी करप्शन टीम पर हमला

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एंटी करप्शन टीम के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। एंटी करप्शन की टीम प्रयागराज विकास प्राधिकरण पहुंची थी। टीम यहां एडीए के अधिष्ठान विभाग के बाबू अजय को ट्रैप कर रही थी। इसी दौरान टीम पर हमला कर मारपीट की गई। कर्मचारियों ने ट्रैपिंग टीम को घेर लिया और छुड़ाने की कोशिश करने लगे। हालांकि टीम बाबू अजय को अपने साथ ले गई। इस दौरान वहां काफी हंगामा हुआ। प्रयागराज विकास प्राधिकरण में अजय कुमार कनिष्ठ सहायक के पद पर तैनात हैं। शांतिपुरम के प्राणेश पांडेय के नाम पीडीए से जमीन का आवंटन हुआ था। उनका आरोप है कि इस जमीन की रजिस्ट्री के लिए वह पीडीए कार्यालय पहुंचा था। आरोप है कि कनिष्ठ सहायक अजय कुमार ने प्रक्रिया आगे बढ़ाने के नाम पर उससे आठ हजार रुपये की अवैध मांग की। पीड़ित ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन संगठन, प्रयागराज इकाई से की। शिकायत मिलने पर एंटी करप्शन यूनिट ने पहले प्राथमिक जांच की। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर आरोपी को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनी। इसके बाद ट्रैप टीम को तैनात किया गया। मंगलवार दोपहर जैसे ही अजय कुमार ने शिकायतकर्ता से आठ हजार रुपये लिए, टीम ने मौके पर ही उसे गिरफ्तार कर लिया। ट्रैप कार्रवाई पीडीए के कार्यालय में ही की गई। गिरफ्तारी के बाद टीम अजय कुमार को अपने साथ लेकर सिविल लाइंस थाने पहुंची। वहां टीम के अफसरों ने उसके खिलाफ लिखापढ़ी शुरू कर दी है। थाने में उससे रिश्वत लेने की पूरी घटना से जुड़े तथ्यों को दर्ज किया जा रहा है। एंटी करप्शन प्रयागराज इकाई के अफसरों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उसे आवश्यक धाराओं में जेल भेजने की तैयारी चल रही है।

रिश्वत लेने की आरोपी महिला कॉन्स्टेबल की जमानत मंजूर

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रिश्वत लेने की आरोपी महिला कॉन्स्टेबल की जमानत मंजूर कर ली। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने अर्चना राय की जमानत अर्जी पर दिया है। कॉन्स्टेबल पर दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी का नाम विवेचना से हटाने के लिए रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े जाने का आरोप है। वाराणसी में कोतवाली थाना प्रभारी के पद पर तैनात इंस्पेक्टर सुमित्रा देवी और कॉन्स्टेबल अर्चना राय को 17 अक्तूबर को एंटी करप्शन की टीम ने भदोही के शिकायतकर्ता मेराज से 10 हजार रुपए रिश्वत लेते पकड़ा था। शिकायतकर्ता का आरोप था कि दोनों ने दहेज उत्पीड़न के मामले से विवेचना के दौरान नाम हटाने के लिए रुपए की मांग की थी। शिकायत पर एंटी करप्शन टीम ने दोनों को पकड़कर भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज किया। जेल में बंद आरोपी कॉन्स्टेबल अर्चना राय ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दाखिल की थी। याची के अधिवक्ता ने कहा कि रिश्वत मांगने का आरोप मुख्य रूप से निरीक्षक सुमित्रा देवी पर है, अर्चना राय ने केवल अधीनस्थ होने के नाते वरिष्ठ के निर्देशों का पालन किया। वकील ने कहा कि याची पर लगाए गए आरोप झूठे हैं और उसे सह अभियुक्त बनाकर जेल भेजा गया है।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक प्रयागराज पहुंचे

प्रयागराज (संवाददाता)। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक आज मंगलवार को प्रयागराज में पहुंच गए। वे एसआईआर को लेकर प्रयागराज में बैठक करेंगे। फिलहाल वे एक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। डिप्टी सीएम भाजपा नेता सुशील मिश्र की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने आ रहे हैं। मेजा के गोशौरा कला स्थित दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज में श्रीमद्भगवत कथा का आयोजन है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वे यमुनापार में भाजपा पदाधिकारियों के साथ एसआईआर मामले पर बैठक करेंगे। इसके बाद डिप्टी सीएम शहर आएंगे। यहां से सीधे लखनऊ जाएंगे।

शनि से गलत मंसूबे पूरे करना चाहते थे रजत-विमल

प्रयागराज (संवाददाता)। आरोपी विमल और रजत का साबरी दादा से विवाद चल रहा था। वे मेरे पति से कहते थे कि तुम उनके खाने में जहर मिला दो। मेरे पति शनि विश्वकर्मा ने इसी दबाव में काम छोड़ दिया। लेकिन आरोपियों ने उन्हें घर से बुलाकर चापड़ मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। अब जिंदगी और मौत के बीच उनका इलाज लखनऊ के KGMU अस्पताल में चल रहा है। यह बात घायल शनि विश्वकर्मा की पत्नी जया विश्वकर्मा ने कही है। पति पर हुए जानलेवा हमले के बाद उन्होंने ही रजत व विमल समेत 3–4 अज्ञात के खिलाफ कीडगंज थाने में गंभीर धाराओं में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले में रजत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि हिस्ट्रीशीटर विमल अब भी पुलिस की पकड़ से दूर है। इंस्पेक्टर कीडगंज के मुताबिक, जल्द ही अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात की असली वजह का खुलासा किया जाएगा।

गुड्डू मुस्लिम, अरमान, साबिर के घर कुर्की की नोटिस चस्पा

डुगडुगी बजी, उमेश पाल हत्याकांड में 5-5 लाख के इनामी शूटर फरार

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड के बाद से फरार चल रहे पांच–पांच लाख के इनामी तीन शूटरों गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर के खिलाफ सोमवार को दूसरी बार कुर्की की कार्रवाई शुरू की गई। यह कार्रवाई धूमनगंज थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे के तहत की गई है।

मामले की विवेचना कर रही एयरपोर्ट पुलिस सोमवार को गुड्डू मुस्लिम के कसारी–मसारी, अरमान के सिविल लाइंस, और साबिर के मरियाडीह स्थित घरों पर पहुंची और कुर्की नोटिस चस्पा किया। पुलिस ने ढोल–नगाड़ों के साथ ऐलान भी किया कि यदि आरोपी तय अवधि में कोर्ट में हाजिर नहीं होते हैं तो उनकी संपत्ति कुर्क कर दी जाएगी।

अक्टूबर 2024 में धूमनगंज पुलिस ने उमेश पाल हत्याकांड के 15 आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट लगाया था। इसमें माफिया अतीक अहमद के बेटे अली और उमर भी शामिल थे। इनमें से 12 आरोपियों की चार्जशीट इसी साल अक्टूबर में दाखिल की जा चुकी है।

जबकि गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर अब भी फरार हैं और उनकी विवेचना जारी है। इसी मामले में सोमवार को कुर्की की कार्रवाई की गई।

24 फरवरी 2023 को धूमनगंज में माफिया अतीक अहमद के शूटरों ने अधिवक्ता उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनरों पर बम व ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद पूरे प्रदेश में सनसनी फैल गई थी।

पुलिस अब तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जिनमें एखलाक अहमद (अतीक का बहनोई), अधिवक्ता खान सौलत हनीफ, अली, उमर, वकील विजय मिश्रा, ड्राइवर कैश अहमद, मुंशी राकेश उर्फ लाला, इकबाल अहमद, सदाकत खान, मोहम्मद अरशद और शाहरुख शामिल हैं। शिवकुटी के लाला की सराय निवासी गुड्डू मुस्लिम, पूरामुफ्ती के मरियाडीह निवासी साबिर और सिविल लाइंस के अरमान की गिरफ्तारी न होने पर पुलिस ने तीनों पर पांच–पांच लाख का इनाम घोषित किया था। उमेश पाल हत्याकांड में तीनों पर फरारी के दौरान ही चार्जशीट दाखिल कर दी गई। हालांकि गैंगस्टर के मामले में उनके खिलाफ अभी विवेचना जारी है।

गैंगस्टर लगाते वक्त अधिकारियों ने बताया था कि यह गैंग आर्थिक लाभ के लिए संगठित होकर अपराध करता रहा है। पहले यह गैंग अतीक और अशरफ की सरपरस्ती में चलता था, जबकि अब इसका सरगना अतीक का बेटा अली है। इस गैंग के 12 आरोपी जेल में हैं, जबकि तीन मुख्य आरोपी गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान अभी फरार हैं।

माघ मेले में 3 मिनट में पहुंचेगी फायर ब्रिगेड

मेला पुलिस ने फायर सेफ्टी के लिए रिस्पांस टाइम तय किया, इस बार स्पेशल प्लानिंग

प्रयागराज (संवाददाता)। माघ महीने में होने वाले मेले में इस बार अग्नि सुरक्षा को लेकर खास तैयारी की गई है। अग्निशमन विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था को इस तरह डिजाइन किया है कि किसी भी स्थान पर आग लगने की स्थिति में अधिकतम 3 मिनट के भीतर दमकल कर्मी मौके पर पहुंच जाएं और राहत कार्य शुरू कर सकें।

20 फायर स्टेशन और 7 फायर चौकियां

–पिछले माघ मेला 2023 की तुलना में इस बार संसाधनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है।

–पहले 15 फायर स्टेशन थे, इस बार 20 फायर स्टेशन बनाए जा रहे हैं।

–इसके अलावा 7 फायर चौकियां भी स्थापित की जाएंगी।

–अग्निशमन विभाग के 631 जवान व अफसर होंगे तैनात

–इनमें 20 फायर स्टेशन अफसर, 30 सेकंड फायरघ अफसर, 80 लीडिंग फायरमैन, 400 फायरमैन शामिल हैं।

20 वॉच टावर, 24 घंटे निगरानी

–मेले में 20 वॉच टावर स्थापित किए जा रहे हैं, जहां जवानों को छह–छह घंटे की कुल चार शिफ्टों में तैनात किया जाएगा।

–ये टीमें पूरे मेला क्षेत्र पर नजर रखेंगी और धुआं उठने की किसी भी सूचना को तुरंत कंट्रोल रूम को भेजेंगी, जिससे राहत कार्य तुरंत शुरू हो सके।

टेंटों का ऑडिट और इलेक्ट्रिक सेफ्टी चेक

–अग्निशमन अधिकारी अनिमेष सिंह के अनुसार, मेला शुरू होने से पहले ही सभी टेंटों का ऑडिट कराया जाएगा।

–इस दौरान इलेक्ट्रिक वायरिंग, जोड़े गए उपकरण और सिलेंडरों की ब्रांड क्वालिटी की जांच की जाएगी, ताकि कोई खराब, नॉन–स्टैंडर्ड सिलेंडर इस्तेमाल न हो।

कुंभ के अनुभव का लाभ

–महाकुंभ में लगभग 150 छोटे–बड़े अग्नि हादसे हुए थे।

–इनमें 61 घटनाएं इलेक्ट्रिक फॉल्ट से

–जबकि 58 सिलेंडर गैस लीकेज के कारण हुई थीं।

–इन्हीं अनुभवों को ध्यान में रखते हुए इस बार सुरक्षा मानकों को और सख्त किया गया है।

रेस्क्यू टेंडर, फायर बाइक और ऑल टेरेन व्हीकल

मेले के तीनों जोन अरैल, झूंसी और परेड में 3 रेस्क्यू टेंडर तैनात किए जाएंगे।इन वाहनों में आग बुझाने के साथ–साथ आपदा राहत संबंधी उपकरण भी होंगे। इनमें कटिंग टूल्स, लिफ्टिंग इक्विपमेंट इत्यादि शामिल रहेंगे।

इसके अलावा 40 फायर फाइटिंग बाइक तैनात की जाएंगी, जो संकरे रास्तों में भी आसानी से मूवमेंट कर सकेंगी। घाटों के आसपास एक फायर बोट भी सक्रिय रहेगी। साथ ही 4 ऑल टेरेन व्हीकल (ATV) भी मेले में दौड़ेंगे, जो कठिन इलाकों में जल्दी पहुंच सकेंगे।

लक्ष्य "सुरक्षित माघ मेला"

मग में लेकर मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनिमेष सिंह का कहना है कि इस बार की प्लानिंग और बढ़े हुए संसाधनों के चलते माघ मेला पहले से अधिक सुरक्षित रहेगा, और किसी भी स्थिति में त्वरित राहत व बचाव कार्य सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वह 2013 कुंभ में भी सेवाएं दे चुके हैं और इस तरह से उनके अनुभवों का भी लाभ मिलेगा।

राष्ट्रीय शिल्प मेले में भक्ति और लोकनृत्य का संगम

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में चल रहा दस दिवसीय राष्ट्रीय शिल्प मेला श्एक भारत श्रेष्ठ भारतश की भावना को साकार कर रहा है। सोमवार को मेले की आठवीं सांस्कृतिक संध्या में भक्ति, लोकनृत्य और पारंपरिक संगीत की मनोहारी प्रस्तुतियां हुईं, जिन्होंने दर्शकों को देर रात तक मंत्रमुग्ध रखा।

मेला परिसर में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकार अपने हस्तनिर्मित उत्पादों, पारंपरिक परिधानों, कलाकृतियों और घरेलू सजावटी वस्तुओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह मेला शहरवासियों को खरीदारी के साथ–साथ भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने का अवसर प्रदान कर रहा है।

सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर संजय सिंह (आईआईटी प्रयागराज), व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज जायसवाल और महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष स्वाती निरखी ने दीप प्रज्वलन कर किया। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने विशिष्ट अतिथि नरेंद्र सिंह (सेवानिवृत्त लेखाधिकारी, एनसीजेडसीसी) और लल्लन यादव को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह और पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत भजन गायक कमलेश पाठक की भक्तिमय प्रस्तुतियों से हुई। उन्होंने ष्राम चरन सुखदायीष और स्थानीय बोली में भजन प्रस्तुत किए। इसके बाद अनुराधा श्रीवास्तव और मणिमाला सिंह ने संस्कार गीतों व भजनों से पंडाल में भक्ति का माहौल बनाया।

लोकनृत्य की प्रस्तुतियों में नितिन दवे और उनके साथियों ने गुजरात का पारंपरिक टीपानी और डांडिया रास प्रस्तुत किया।

रामकृष्ण रजक ने हिमाचल प्रदेश का कांगड़ा नृत्य पेश किया, जबकि शब्बीर सिद्धी और उनके दल ने सिद्धी धमाल नृत्य से दर्शकों को आकर्षित किया। युसुफ खान ने भपंग वादन से कार्यक्रम को विशेष बनाया। मंच संचालन डॉ. आकांक्षा पाल ने किया।

मेले के नौवें दिन, मंगलवार को शाम 5 बजे से कवि सम्मेलन और मुशायरे का आयोजन होगा। इसमें गजेंद्र सोलंकी, अजहर इकबाल, सैयद फजले रजा, ताजवर सुल्ताना, नजीब इलाहाबादी, अशोक बेशर्म, शैलेन्द्र मधुर और श्लेष गौतम जैसे चर्चित रचनाकार अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे।

बिहार से प्रयागराज तक पहुंचेगी रंगकर्मियों की आवाज

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में स्थित उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र छर्ब्ब में बुधवार 10 दिसंबर से प्रवीण स्मृति नाटक महोत्सव 2025 की शुरूआत होने जा रही है। 10 से 14 दिसंबर तक चलने वाले इस पांच दिवसीय नाट्य महोत्सव में देश के जाने–माने रंग निर्देशक विजेंद्र कुमार टॉक के निर्देशन में पांच विशिष्ट नाटकों का मंचन किया जाएगा। यह महोत्सव रंगमंच प्रेमियों के लिए एक खास सांस्कृतिक उत्सव साबित होने जा रहा है। नाट्य महोत्सव के संयोजक डॉ. इंद्रदीप कुमार चंद्रवंशी ने बताया कि बिहार के युवा रंगकर्मी प्रवीण की असामाजिक तत्वों द्वारा हत्या कर दी गई थी। इसी घटना के बाद उनकी स्मृति को जीवित रखने और रंगमंच के माध्यम से श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से पिछले 22 वर्षों से लगातार प्रवीण स्मृति नाटक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। अब तक यह महोत्सव बिहार के विभिन्न शहरों में आयोजित होता रहा है, जबकि पिछले वर्ष इसका आयोजन दिल्ली में किया गया था। इस साल पहली बार संगम नगरी प्रयागराज में इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. चंद्रवंशी के अनुसार, नाट्य महोत्सव का मुख्य उद्देश्य बिहार के रंगकर्मियों को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना और विभिन्न क्षेत्रों की रंग संस्कृतियों के बीच आपसी संवाद और आदान–प्रदान को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही युवा और नए कलाकारों को मंच प्रदान कर थिएटर को आम जनमानस से जोड़ना भी इस आयोजन का अहम लक्ष्य है। महोत्सव के कार्यक्रम के तहत 10 दिसंबर को जयशंकर प्रसाद की कहानी पर आधारित नाटक 'गुंडा' का मंचन किया जाएगा। 11 दिसंबर को शिवमूर्ति की रचना 'कुच्ची का कानून', 12 दिसंबर को रवींद्र भारती द्वारा लिखित 'नागर डोला', 13 दिसंबर को लोकनाट्य सम्राट भिखारी ठाकुर की अमर कृति 'गबर घिचोर' और समापन दिवस 14 दिसंबर को राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी रचना 'रश्मि रथी' का भव्य मंचन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के करीबी सतुआ बाबा बैठे धरने पर

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेला में हो रहे भूमि आवंटन को लेकर सतुआ बाबा धरने पर बैठ गए उन्होंने भूमि आवंटन को लेकर नाराजगी जताई है। इसके पूर्व महाकुंभ के दौरान भी सतुआ बाबा धरने पर बैठ गए थे। आज मंगलवार को मेला प्राधिकरण में खाक चौक के भूमि आवंटन का कार्य चल रहा था। सभी साधु संत जमीन आवंटन को लेकर संगम पहुंचे थे और इस क्रम में आज सतुआ बाबा को खाक चौक गंगा किनारे भूमि आवंटित हुई। मगर दलदल होने की वजह से भूमि का आधा हिस्सा उनकी भूमि के हिस्से में आया है। इसी बात की नाराजगी को लेकर वो मेला प्राधिकरण में आकर सभी साधु संतों के साथ अलाव जलाकर धरने पर बैठ गए। उन्होंने मेला अधिकारीयों के प्रति नाराजगी जाहिर की है। इसके पूर्व महाकुंभ के दौरान सतुआ बाबा भूमि आवंटन को लेकर नाराज होकर धरने पर बैठ गए थे और भूमि आवंटन को लेकर मेला अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए थे और बाद में मेला प्राधिकरण को झुकना पड़ा था आज फिर से माघ में मेला में भूमि आवंटन को लेकर फिर से नाराजगी जाहिर की है। सतुआ बाबा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बहुत करीबी है सतुआ बाबा इसके पूर्व मुख्यमंत्री के माघ मेला समीक्षा के बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के साथ थे।

प्रयागराज में सांस्कृतिक संबंधों के विकास के लिए रूट्स 2 रूट्स से हुआ करार

प्रयागराज (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज से जुड़कर शिक्षार्थी अब भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत कला, संस्कृति तथा विरासत से संबंधित कार्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। ऑनलाइन भारतीय प्रदर्शन कलाओं की कक्षाएं शुरू करने के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय भारतीय रतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली और रूट्स 2 रूट्स ने हाथ मिलाया। एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौते के अंतर्गत मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में इस समझौते पर रूट्स 2 रूट्स के संस्थापक राकेश गुप्ता और यूपीआरटीओयू के रजिस्ट्रार कर्नल विनय कुमार द्वारा हस्ताक्षर किए गए। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि इस ऐतिहासिक सहयोग का उद्देश्य भारतीय, ज्ञान व परंपरा के अंतर्गत भारत की महान संस्कृति का प्रचार–प्रसार करना है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय छात्रों और दुनिया भर के भारतीय प्रवासियों के लिए भारतीय प्रदर्शन अथवा निष्पादन कलाओं की लाइव, इंटरएक्टिव ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इसके लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर संजय सिंह को नोडल अफसर नामित किया है। यह समझौता भारत के नवाचार और रचनात्मकता के माध्यम से वैश्विक सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रस्तावित कला विधाएं कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी, तबला, हारमोनियम, हिंदुस्तानी वोकल, कठपुतली निर्माण, रंगोली, मधुबनी कला, मेंहदी और बॉलीवुड (लोकप्रिय) नृत्य आदि हैं। आईसीसीआर (भारत सरकार के विदेश मंत्रालय का स्वायत्त निकाय) के सहयोग से विगत वर्षों में रूट्स 2 रूट्स (एनजीओ) ने कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी, कठपुतली निर्माण, रंगोली और मधुबनी कला में प्रायोगिक कक्षाएं संचालित कीं। इन कक्षाओं को लिए दुनिया भर में मिले उत्साह और प्रतिक्रिया ने इस पहल को दिशा दी है, जो अब एक वर्षीय पाठ्यक्रम में परिणत हो गई है जिनमें सफल शिक्षार्थियों को डिप्लोमा कोर्स किया जाएगा। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने में विश्वविद्यालय की भूमिका पर प्रसन्नता व्यक्त की। यह पहल भारत की अनोखी सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है और यह दुनिया के साथ साझा करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। प्रत्येक कला विधा के भारतीय विशेषज्ञ के कक्षाओं का नेतृत्व करेंगे। ये कक्षाएं अंग्रेजी में संचालित होंगी और 125 विश्व भाषाओं में उपशीर्षक के साथ प्रस्तुत की जाएंगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी अपनी चुनी हुई भाषा में निर्देशों को आसानी से समझ सकें। कक्षाएं रूट्स 2 रूट्स द्वारा तैयार विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी, जिसमें मल्टी–कैमरा शूट और प्रतिभागियों के साथ रियल–टाइम संवाद सुनिश्चित किया जाएगा।

प्रयागराज में बहू ने पति-ससुरालियों पर केस किया

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के मीरापुर निवासी अर्चना दुबे ने अतरसुईया थाने में अपने पति अभिषेक शुक्ला और ससुराल पक्ष के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 25/59 दिनांक: 05.12.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ०म०रे०, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	80251067A	लाइट डीजल ऑइल	174117 लिटर	31.12.2025
2	38253220A	सेट ऑफ हैण्ड ब्रेक केबल असेम्बली/रोप अरेंजमेन्ट	678 सेट	07.01.2026
3	38251324	स्लैक एडजस्टर टाइप आई आर एस ए 600	1354 नग	22.12.2025
4	38251496	एक्सल कैप स्क्रू	328560 नग	22.12.2025
5	30253146	ब्रेक सिलिंडर्स (एल एच बी आर एच) इन सेट्स फॉर डिस्क ब्रेक सिस्टम ऑफ एल एच बी कोचेज	89 सेट	23.12.2025
6	38252520A	बोगी सेंटर पिवोट टॉप	6648 नग	29.12.2025
7	38251515B	पिन विद वाशर एंड बल्ब कटर	34779 नग	06.01.2026
8	20253658	जिर्कोनियम कॉपर स्टापिंग फॉर जिर्कोनियम टाइप शाफ्ट माउंटेड डिजाइन रोटर	2600 नग	26.12.2025
9	60255003बी	सी आर्म फ्लोरोस्कोप	01 नग	29.12.2025
10	60255018	बेयरिंग क्लेयरिंग प्लान्ट फॉर सीटीआरबी	01 नग	27.01.2026
11	60255021	मिग/मग साइनेजिक पल्स विथ एमल्स ए वेल्डिंग मशीन	20 नग	03.02.2026

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदाओं में किसी भी बदलाव / शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र / परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 2351/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

संक्षिप्त

लखनऊ एयरपोर्ट से इंडिगो ने आज 8 फ्लाइट रद्द की

लखनऊ, संवाददाता। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लगातार आठवां दिन मुश्किलों भरा साबित हो रहा है। इंडिगो एयरलाइन की सेवाओं में जारी तकनीकी और ऑपरेशनल अव्यवस्थाओं का असर आज फिर देखने को मिला। आज यानी कि 9 दिसंबर को लखनऊ से उड़ान भरने वाली कुल 8 फ्लाइटों को इंडिगो ने अचानक रद्द कर दिया, जिससे हजारों यात्री फंस गए और टर्मिनल पर अफरा–तफरी की स्थिति बनी रही। जो यात्री ऑनलाइन टिकट निकाल चुके थे वे सुबह ही एयरपोर्ट पहुंच गए। उन्हें यहां पहुंचने पर पता चला कि फ्लाइट कैंसिल है। कई यात्री ऐसी हालत में पहुंचे कि उन्हें एयरलाइन की ओर से पहले से रद्दीकरण की सूचना नहीं दी गई थी। कुछ यात्रियों के मुताबिक, मोबाइल पर मैसेज उड़ान समय के बिल्कुल करीब मिला, जबकि कई को कोई संदेश भी नहीं आया।

शोरूम के अकाउंटेंट की संदिग्ध हालत में मौत,रेलवे ट्रैक के पास मिला शव

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में रेलवे ट्रैक के पास एक शोरूम के अकाउंटेंट का शव मिला है। वह कुछ दिनों से तनाव में था। सुबह घर से बिना बताए निकला था। दोपहर तक में पुलिस ने सूचना दी कि ट्रैक के पास शव पड़ा है। मृतक की पहचान अमीनाबाद के बलराम यादव (32) के रूप में हुई। शव ठाकुरगंज इलाके में भुवर ओवरब्रिज के नीचे मिला। पुलिस के अनुसार, मृतक कुछ दिन से तनाव में था। उसे परिजन सुबह से ढूंढ रहे थे। पुलिस ने बताया युवक के पास मोबाइल फोन था। उसकी मदद से उसके परिजन सूचना दी गई। सूचना पर पहुंचे परिवारजनों ने बताया कुछ दिनों से किसी बात को लेकर तनाव में था। परिवार में पत्नी अंजू यादव, 10 वर्षीय बेटी प्रगति और 6 साल का बेटा देवांश है।

रेलवे क्रॉसिंग पर 100 साल की महिला की मौत

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज में रेलवे क्रॉसिंग के पास एक बुजुर्ग महिला की गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची डायल–112 पुलिस पहुंची। स्थानीय लोगों का कहना है कि महिला पुलिसकर्मी ने एम्बुलेंस बुलाने में देरी की। थाने के पुलिसकर्मियों ने बुजुर्ग महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मंगलवार सुबह करीब दस बजे मोहनलालगंज रेलवे फाटक के पास एक महिला अचेत अवस्था में पड़ी होने की सूचना मिली थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डायल–112 की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन महिला पुलिसकर्मी ने तुरंत एम्बुलेंस नहीं बुलाया। सूचना मिलने पर थाने के पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने डायल–108 एम्बुलेंस की सहायता से अचेत महिला को मोहनलालगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेजवाया। हालांकि, वहां मौजूद चिकित्सक ने बुजुर्ग महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान धनकुंवारा पत्नी स्वर्गीय राम अवतार रावत के रूप में हुई है। वह ग्राम सेघटा, मजरा मीशा, थाना गोसाईंगंज, जनपद लखनऊ की निवासी थीं। उनकी उम्र करीब 100 वर्ष थी। महिला के परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद उनके पौत्र देवनंद और साथी शुभम सीएचसी पहुंचे। उनकी पहचान की पुष्टि की। मोहनलालगंज थाना प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि महिला रेलवे क्रॉसिंग के पास ही किराए के कमरे में रहती थी। वह जड़ी–बूटी बेचती थी। परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया।

अवैध घुसपैठ रोकने के लिए सरकार ने बनाया विशेष प्लान, डिटेंशन सेंटर के साथ तकनीक का होगा इस्तेमाल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश भर से घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए फूल प्रूफ प्लान तैयार कर लिया है, जो पूरे देश के लिए मॉडल के रूप में उभरकर सामने आएगा। योगी सरकार घुसपैठियों की पहचान के लिए हाईटेक मार्डन टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर रही है, जिससे घुसपैठियों की प्रदेश में छुपकर रहने की कोशिशों को पूरी तरह से नाकाम किया जा सके। इतना ही नहीं, इन घुसपैठियों को जिन डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा, वहां परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा। योगी सरकार डिटेंशन सेंटर की सुरक्षा का ऐसा चक्रव्यूह तैयार कर रही है, जो अभेद होगा। सूत्रों की मानें तो योगी सरकार ने डिटेंशन सेंटर में रखे गए घुसपैठियों की विस्तृत बायोमेट्रिक प्रोफाइल तैयार करने का निर्णय लिया है। साथ ही इन सभी नामों को निगेटिव लिस्ट में दर्ज किया जाएगा। इन लिस्ट को देशभर में शेयर किया जाएगा ताकि दोबारा घुसपैठी प्रदेश ही नहीं देश की सीमा में घुस न सकें।

फर्जी दस्तावेज बनाने वालों पर भी होगी बड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में प्रदेश से घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। सूत्रों की मानें तो अधिकारियों को घुसपैठियों की पहचान के लिए हाईटेक मार्डन टेक्नोलॉजी का प्रयोग करने के निर्देश दिये हैं ताकि किसी भी स्तर पर कोई कमी न रह जाए तो हर हाल में घुसपैठियों की पहचान कर उन्हे डिटेंशन सेंटर शिफ्ट किया जाए। जानकारों की मानें तो हाईटेक टेक्नोलॉजी के जरिये घुसपैठियों के फर्जी पहचान पत्र के साथ किसी भी प्रकार के फर्जी सरकारी दस्तावेजों को स्कैन करने के साथ पूरा पिछला रिकार्ड खंगाला जाएगा। इससे यह पता चल सकेगा कि वह प्रदेश में कब से अपनी पहचान छुपाकर रह रहे हैं। इतना ही नहीं टेक्नोलॉजी से यह भी डाटा इक्ट्ठा किया जाएगा कि किस तरह घुसपैठियों ने फर्जी दस्तावेज तैयार किये। सूत्रों की मानें तो योगी सरकार घुसपैठियों की पहचान करने के साथ उनके फर्जी दस्तावेजों की गहन जांच करेगी। इससे फर्जी दस्तावेजों को तैयार करने वाले नेक्सेज का भड़ाफोड़ करके कड़ी कार्रवाई की जाएगा। इससे दोबारा कोई भी व्यक्ति फर्जी दस्तावेज नहीं बनवा सकेगा।

घुसपैठियों की तैयार की जाएगी विस्तृत बायोमैट्रिक प्रोफाइल

सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डिटेंशन सेंटर में रखे गए घुसपैठियों की विस्तृत बायोमेट्रिक प्रोफाइल तैयार करने के निर्देश दिये हैं। इसके लिए इन घुसपैठियों की बायोमैट्रिक फिंगर प्रिंट, फेशियल रिकॉग्निशन आदि की जाएगी। इसके बाद इन घुसपैठियों के नामों की एक लिस्ट तैयार की जाएगी, इन सभी नामों को निगेटिव लिस्ट में दर्ज किया जाएगा। योगी सरकार के इस कदम से ये लोग आगे कभी भी आधार कार्ड जैसी किसी सरकारी पहचान प्रणाली में पंजीकरण नहीं करा पाएंगे। इतना ही नहीं लिस्ट को देश के अन्य राज्यों से भी शेयर किया जाएगा ताकि दोबारा कोई भी घुसपैठी देश और प्रदेश की सीमा में प्रवेश न कर सके।

जनकवि कैलाश का रचना धर्म,लोक सरोकारों के प्रति प्रेरणा का स्रोत : अशोक

करछना। जनकवि कैलाश गौतम का जीवट व्यक्तित्व,अनूठा कृतित्व,सहज स्वभाव, विभिन्न रचना विमर्शों के साथ बोली–बानी का गहबर लोकरंग,सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित उनके समग्र रचना लोक और जनमन में बसा है। सड़क से लेकर संसद तक या फिर गांव,गली,चौबारे,सामाजिक संबंधों के तार–तार या फिर लोक संस्कृति और सामाजिक परंपरा के विविध रंगों से भरपूर उनकी रचनाओं में सर्व समाज का उद्गार आलोकित हुआ। लोक सरोकार और नवचेतना के प्रति समर्पित उनकी सोच, चिंतन और लेखनधर्म वर्तमान समय में नये कवियों और रचनाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह बातें आकाशवाणी और दूरदर्शन से जुड़े लोक भाषा के चर्चित कवि अशोक सिंह बेशरम ने अपने काव्य गुरू जन कवि कैलाश गौतम की स्मृतियों को ताजा करते हुए उनके पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को लोकमंगल संस्थान रामपुर में कही। उन्होंने कहा कि डेढ़ दशक तक मुझे भी आकाशवाणी इलाहाबाद में उनके सानिध्य में बहुत कुछ सीखने,गढ़ने और समझने को मिला ।अमौसा का मेला,पप्पू की दुलहिन, कुर्सी,कचहरी,रमचरना,झुनिया जैसी उनकी कालजई रचनाएं हों या फिर आकाशवाणी द्वारा प्रसारित घर का दर्पण,बड़की भौजी, और गांगू का हेंगा जैसे धारावाहिकों में पूरे समाज का आईना प्रतिबिंबित हुआ। पंचायत घर कार्यक्रम के गोबर्धन भैया की उनकी एक अमिट पहचान भी घर–गांव,सिवानों और किसानों के बीच विशिष्ट छवि के रूप में आलोकित हुई।जोड़ा ताल हो या फिर सिर पर आग जैसे रचना संग्रहो में आम आदमी के जीवन की व्यथा–कथा का यथार्थ भी जीवन्त हुआ। प्रयाग को कर्म भूमि बनाकर अपने विलक्षण कृतित्व से लगभग 3 दशकों तक कैलाश गौतम ने तत्कालीन लेखकों कवियों और लोक

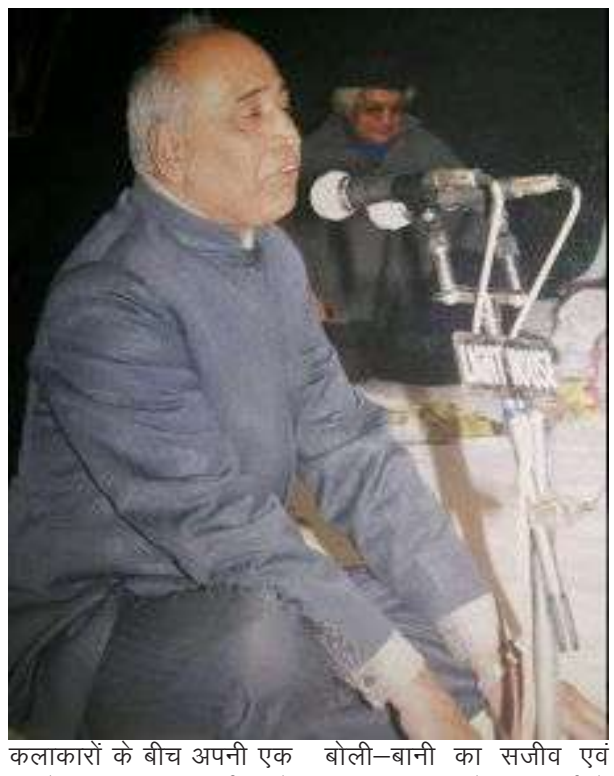

कलाकारों के बीच अपनी एक विशेष छवि बनाई जो लोकप्रियता की एक मिशाल है। राष्ट्रीय साहित्य फलक पर भी अपनी माटी,परिपाटी,लोक परम्परा,गंवई संस्कृति का ताना–बाना,लोकभाषा और बोली–बानी का सजीव एवं अद्भुत रंग उनके कवि कर्म के साथ सदैव नये लोगों के बीच उनकी सहज स्मृतियों के रूप में जीवन्त रहेगा और उनकी कालजई रचनाएं सदा सदा के लिए अमर रहेंगी।

मूक नाटक दहेज का शानदार मंचन

कार्यक्रम अध्यक्ष गणेश केसरवानी, मुख्य अतिथि सुशील राय, विशिष्ट अतिथि दीपक शर्मा एवं रवीन्द्र कुशवाहा ने दहेज को दैत्य बताया

प्रयागराज। दहेज एक ऐसा पुराना–सा थका–सा विषय जिसपर न जाने कब से लिखा और बोला जा रहा है पर समाज तो जैसे बहरा–सा हो गया है। इन उपस्थितियों में केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी से पुरस्कृत अंतर्राष्ट्रीय माईम कलाकार गोहाटी से मोईनुल हक ने बहरों को सुनाने के लिये एक कहानी की माईम में अवधारणा की और उसे अभिनव, प्रयागराज के कलाकार सर्वेश प्रजापति ने अपने सहयोगी आदित्य सिंह के साथ मिलकर सरस्वती शिशु विद्या निकेतन, कटघर के संयुक्त तत्वाधान में अपने निर्देशन में बीस बच्चों को लगभग 20 दिन के माईम प्रशिक्षण के बाद विद्यालय प्रांगण में एक घंटे की नाटिका 'दहेज' की सफल प्रस्तुति दी।

नाटिका में बडे ही मनोरंजक ढंग से पंडित जी वर फोटो दिखा के वधु पक्ष के लोगों को संतुष्ट

करते हैं। फिर बारात प्रेक्षागृह के मध्य से निकलते हुए वधु पक्ष के निवास पर पहुँचती है, वहां फेरों से पहले वर पक्ष भारी दहेज की मांग रखते हुए बारात वापस ले जाने को उद्यत होते हैं कि तभी वर और वधु आँखो आँखो में एक दूसरे को सहमत कर विवाह के फेरे ले लेते हैं और थक–हार के वर पक्ष के लोग भी विवाह में शामिल हो जाते हैं। मूक अभिनय वाले इस नाटक से प्रेक्षागृह में बैठे दर्शको ने हर सीन में भरपूर मनोरंजन लिया और तालियां बजायी और वहीं यह संदेश भी लेके लौटे कि यदि आज के युवजन स्वयं दहेज लेने से इन्कार कर दें तो दहेज समस्या का निदान काफी हद तक सम्भव है।

महापौर गणेश केसरवानी की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि सुशील राय, विशिष्ट अतिथियों में दीपक शर्मा एवं प्रसिद्ध कलाकार रवीद्र कुशवाहा ने बाल कलाकारों के मूक अभिनव की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए बताया कि दहेज समस्या पूरे देश में दैत्य की तरह विकराल होता जा रहा है समाज को इस बुराई से बचना चाहिए । सर्वप्रथम अभिनव संस्था के अध्यक्ष प्रसिद्ध नाट्य निर्देशक शैलेश श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का अंगवस्त्र से स्वागत किया। अंत में विद्या निकेतन के प्रधानाचार्य कमलेश मिश्र ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और बच्चों को आशीर्वाद दिया।

राष्ट्र की एकात्मकता का मंत्र है वन्देमातरम्" : मंत्री कपिल देव अग्रवाल

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर सदर विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार में स्वतन्त्र प्रभार मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने आज एस. डी. पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर में राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित किया।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा संसद में व्यक्त वन्देमातरम् के अनछुए पक्षों और गहन भावार्थ को बच्चों के समक्ष सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वन्देमातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की ज्योति प्रज्वलित

करने वाला ऊर्जा–स्रोत है, जिसने हर युग में भारतवासियों को एकता के सूत्र में बांधा है।

उन्होंने यह भी कहा कि वन्देमातरम् भारत की मिट्टी की सुगंध, सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक है, जो हर भारतीय को गर्व और प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने चुनाव आयोग द्वारा संचालित SIR (Special Intensive Revision) अभियान की विस्तृत जानकारी भी विद्यार्थियों के साथ साझा की। उन्होंने बताया कि यह अभियान विद्यार्थियों में जागरूकता, नियमित पुनरावृत्ति, जिम्मेदारी और बेहतर शैक्षिक आदतों को विकसित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

उन्होंने बच्चों को बेहतर अध्ययन पद्धति, समय प्रबंधन, स्वच्छता और सामाजिक उत्तरदायित्व अपनाने के लिए प्रेरित किया।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा :–

बच्चे देश का भविष्य हैं, और उनका जागरूक व सशक्त होना ही एक विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करता है।"

कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ, प्रबंधन समिति के सदस्य तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

बाबर के नाम पर कोई भी मस्जिद नहीं बनेगी, हिंदू देवी-देवताओं के अपमान के विरोध में मार्च

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय हिंदू रक्षा परिषद ने हिंदू देवी–देवताओं के अपमान के विरोध में केडी सिंह बाबू स्टेडियम से जीपीओ तक विरोध मार्च निकाला। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश दुबे और महामंडलेश्वर बाबा महादेव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग हाथों में भगवा झंडा, तिरंगा झंडा और त्रिशूल लेकर शामिल हुए। यात्रा हिंदू देवी देवताओं के अपमान और मुर्शिदाबाद में हो रहे बाबरी निर्माण के विरोध में निकाली गई। मुकेश दुबे ने कहा हिंदू धर्म का लगातार अपमान हो रहा है, जिसे हम लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे। बाबा महादेव ने कहा बाबर के नाम पर भारत में कोई भी मस्जिद नहीं बनेगी। उन्होंने कहा लगातार सनातन सभ्यता पर टिप्पणी हो रही है। हमारी धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाने की कोशिश की जा रही है, रीति रिवाज–तीज त्योहार पर सोशल मीडिया के माध्यम से अभद्र टिप्पणी की जाती है। हमारी मांग है कि ऐसी अनर्गल टिप्पणी करने वालों पर रासुका के तहत कार्रवाई हो। प्रशासन को

प्रदर्शन और विरोध का इंतजार नहीं करना चाहिए बल्कि संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए।

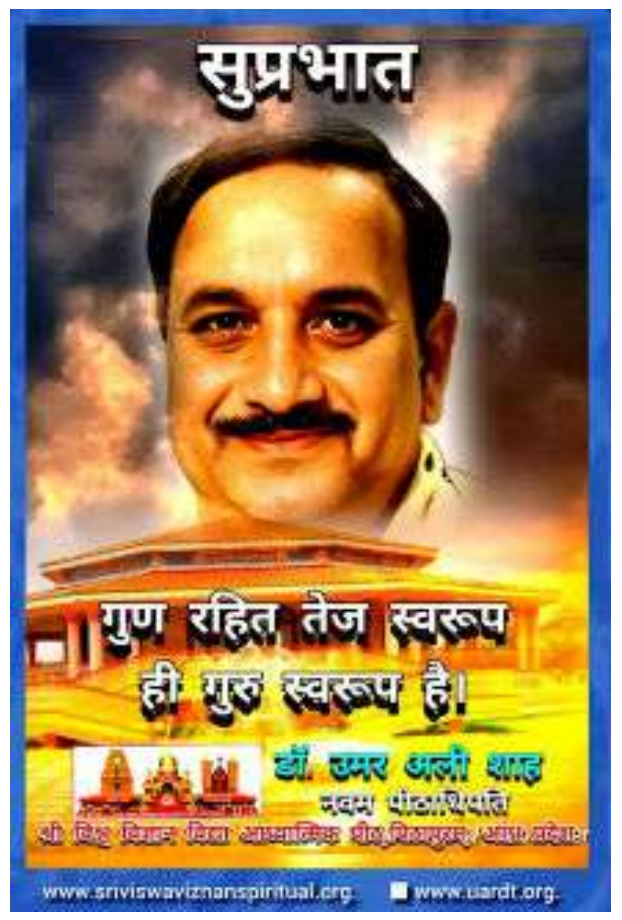

पावन पुष्प गुलाब

माँ लक्ष्मी को प्रिय बहुत, शुभ का बना प्रतीक।
पावन पुष्प गुलाब का, गुण करता तस्दीक।
गुण करता तस्दीक, अहं से दूरी रखकर।
महकाता संसार, ज्ञान का सागर बनकर।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी की बन प्यारी जाँ।
रखता बहुत खयाल, रखे जैसे अपनी माँ।।

उन्नत करती चेतना, जिसकी मधुर सुगन्ध।
उस गुलाब के फूल पर, दुनिया लिखे निबन्ध।
दुनिया लिखे निबन्ध, शान्त यह मन को करता।
पावन प्रेम जुनून, हृदय में सबके भरता।
सुन लो कहें प्रदीप, न करता है यह हुज्जत।
हरि से सबको जोड़, सभी का करता उन्नत।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

परिवहन निगम के ड्राइवर-कंडक्टरों का बढ़ा वेतन, अब प्रति किलोमीटर मिलेगा इतना पैसा;आदेश हुआ जारी

लखनऊ। रोडवेज में संविदा चालकों/परिचालकों के मानदेय में बढ़ोतरी की गई है। इन्हें 14 से सात पैसे प्रति किलोमीटर अतिरिक्त मानदेय मिलेगा। पुनरीक्षित दर से मानदेय का भुगतान परिवहन निगम द्वारा एक जनवरी 2026 से किया जाएगा। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि नोएडा क्षेत्र, एनसीआर क्षेत्र, सौनोली, सिद्धार्थनगर एवं महाराजगंज डिपो के संविदा चालकों/परिचालकों को औसतन 2.18 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से मानदेय मिलता है, जिसे बढ़ाकर 2.

28 रुपये प्रति किलोमीटर किया गया है। अन्य क्षेत्रों के संविदा चालक/परिचालक के मानदेय सात पैसे प्रति किमी की बढ़ोत्तरी की गई है। योजना में चालकों को दो वर्ष की निरंतर सेवा एवं परिचालकों को चार वर्ष की निरंतर सेवा जरूरी है। उन्होंने बताया कि इसके लिए वित्तीय वर्ष में उन्हें 288 दिन की डयूटी एवं 66000 किलोमीटर की दूरी पूरी करनी होगी। ऐसे में चालक के लिए पारिश्रमिक 14687, प्रोत्साहन 4000 यानी कुल करीब 18687 रुपये मिलेंगे। परिचालक को पारिश्रमिक 14418, प्रोत्साहन 4000 मिलेगा।

वाराणसी में रोजगार महाकुंभ आज से, 27 हजार से ज्यादा युवाओं को मिलेगी नौकरी

राजधानी में पहले रोजगार महाकुंभ की सफलता के बाद अब दूसरा रोजगार महाकुंभ का आयोजन वाराणसी में होगा। श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव डॉ एमकेएस सुंदरम ने बताया कि 9 और 10 दिसंबर को होने वाला रोजगार महाकुंभ आईटीआई करंदी, वाराणसी के परिसर में होगा। इसमें निजी क्षेत्र की 293 प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा लेंगी। रोजगार महाकुंभ में 27385 पदों पर भर्ती होगी। इसके लिए अब तक 21685 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण करा लिया है। उन्होंने बताया कि रोजगार महाकुंभ में संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और सऊदी अरब की कुल 14 विदेशी कंपनियां भी शामिल होंगी। आयोजन में इस्राइल की कोई कंपनी भाग नहीं ले रही है। प्रमुख सचिव ने बताया कि श्रम मंत्री अनिल राजभर ने अधिकारियों के साथ आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और रोजगार महाकुंभ की तैयारियां परखीं। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

यूपी में पारा गिरा... हवा कंपाने लगी, अयोध्या रहा सबसे ठंडा शहर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गलन भरी पछुआ हवाओं के साथ ठंड का मौसम अपने पूरे रंग में है। सुबह–शाम कोहरे और ठिठुरन भरी सर्द रातों के साथ पौष माह की शुरुआत हो चुकी है। दिन में हो रही गुनगुनी धूप भी गलन से राहत नहीं दे रही। धुंध और कोहरे की वजह से तराई के कुशीनगर, बहराइच में दृश्यता 50 मीटर से नीचे सिमट गई। वहीं आजमगढ़ में दृश्यता 300 मीटर दर्ज हुई। इटावा, अयोध्या, कानपुर शहर आदि में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे रहा। मौसम विभाग का कहना है कि मंगलवार से प्रदेश में पारे में क्रमशरू गिरावट जारी रहेगी। इस बीच लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कई इलाकों में छिटपुट बादलों की मौजूदगी रहेगी।

सम्पादकीय.......

अव्यवस्था का मोदी मॉडल

देश में चारों तरफ अफरा–तफरी और घबराहट, सड़कों पर उतरे परेशान नागरिक, अपने सवालों के जवाब मांगते लोग ऐसा माहौल अक्सर किसी आपातकालीन अवसर पर बनता है, लेकिन मोदी सरकार में ऐसे नजारे आम हो चुके हैं। 2014 में जब नरेन्द्र मोदी सत्ता संभालने आए तो गुजरात मॉडल का खूब प्रचार किया गया। मानो गुजरात भारत का हिस्सा नहीं, नरेन्द्र मोदी की सरपरस्ती में बना हुआ धरती का कोई स्वर्ग है। देश को वैसा ही स्वर्ग जैसा साफ, सुंदर, भ्रष्टाचार मुक्त, हर तरह से विकसित बनाने का दावा श्री मोदी ने किया था। मजे की बात ये है कि 2014 से लेकर 2025 बीतने को है और अब तक यही सपने देश को दिखाए जा रहे हैं। अभी शीतकालीन सत्र शुरु होने से पहले नरेन्द्र मोदी ने पत्रकारों के सामने शब्दों का यही खिलवाड़ किया था, एक राष्ट्रनीति, मजबूत प्रशासन, डिलीवरी और न जाने क्या–क्या। ऐसा लगता है मानो प्रधानमंत्री किसी स्वप्नलोक में ही विचरण करते रहते हैं, जो उन्हें जमीनी हकीकत पता ही नहीं चलता। अन्यथा पिछले पांच दिनों से देश भर के हवाई अड्डों पर अव्यवस्था का जो आलम है, कम से कम उस पर खेद तो प्रकट कर ही सकते थे। लेकिन अगर प्रधानमंत्री मोदी ने किसी बात पर अपनी गलती मान ली, तो फिर सूरज पश्चिम से निकलने लगेगा।मोदी के पहले कार्यकाल से लेकर तीसरे कार्यकाल तक बार–बार जनता ने मनमाने फैसलों से उपजी अव्यवस्था को ही भुगता है। पहले कार्यकाल में 2016 में नोटबंदी का फैसला हो या दूसरे कार्यकाल में 2020 में लगा लॉकडाउन जनता में घबराहट का माहौल बना और इस तीसरे कार्यकाल में यही अफरा–तफरी एसआईआर को लेकर बिहार में बनी, अब देश के बाकी 12 राज्यों में लोग ऐसे ही परेशान हो रहे हैं। वहीं ट्रेनों के साथ–साथ फ्लाइट्स ऑपरेशन की गड़बड़ियों ने लाखों लोगों को मुश्किल में डाल दिया है। देश में सबसे ज्यादा चलने वाली इंडिगो की उड़ानें पिछले पांच दिनों से रद्द या देरी से चल रही हैं। इसकी वजह है नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) का एक नया नियम। फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन इस नियम में पायलट्स और क्रूमेंबर्स को पर्याप्त आराम देने जैसे प्रावधान हैं। लेकिन इस नियम को लागू करने से पहले पूरी तैयारी नहीं की गई, लिहाजा इंडिगो को कम से कम हजार फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ी। इसके कारण भारी अव्यवस्था फैली और पानी सिर के ऊपर से निकला तो शुक्रवार को नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने बैठक की और सारी व्यवस्थाएं ठीक करने का निर्देश दिया। इस बीच इंडिगो को नियमों में ढील दी गई ताकि वह उड़ान संचालन ठीक से बहाल करे। हालांकि इस पर भी सवाल उठ रहे हैं कि जब नियम पायलट्स की थकान और उनके काम के घंटे निर्धारित करने के लिए था, तो क्या इसमें ढील देना सही है। इधर लगातार पांच दिन से उड़ानों के रद्द होने से अन्य एयरलाइन कंपनियों ने अपने टिकट दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी की तो उसमें भी शनिवार को जाकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय हरकत में आया और घोषणा की कि वह अपने नियामकीय अधिकारों का प्रयोग करते हुए सभी प्रभावित रूट्स पर किराया नियंत्रण लागू कर रहा है।शुक्रवार को इंडिगो का मामला संसद में भी उठा। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि शइंडिगो की विफलता इस सरकार के एकाधिकार मॉडल की कीमत है।

अपने हर काम में परफेक्शन की तलाश एक निजी सोच है

डॉ. दीपक पाचपोर

मैं हमेशा सोचता था कि जब कमीज के बटन लगाने पर वह हिस्सा फिर से सिलवटों से भर जाने वाला है, तो उसे इतनी मेहनत से इस्तरी करने की क्या जरूरत है।

आपको साउथ इंडियन रेस्तरां के वो 'डबरा' और 'टम्बलर' याद हैं, जिनमें फिल्टर कॉफी मिलती है? वही 'डबरा' घर पर मेरी पहली आइरनिंग क्लास के लिए इस्तेमाल किया गया सबसे जरूरी उपकरण था। शिक्षिका मेरी मां थीं। उन्होंने गर्म जलते कोयले से थोड़े भरे हुए 'डबरा' को संसी की मदद से पकड़ा था। यह हमारी कामचलाऊ इस्तरी थी। पापा को किसी जरूरी काम से बाहर जाना था और जब वो तैयार हो रहे थे, तब मां को उनकी कमीज पर कड़क इस्तरी करनी थी। मैं उनका सहायक था। उन्होंने कॉलर से शुरू किया। फिर एक–एक कर आस्तीनों को इस्तरी किया, पूरी सावधानी से कि कहीं एक भी अतिरिक्त सिलवट न रह जाए। उसके बाद शर्ट की पीठ पर उसकी प्लीट को संभालते हुए। उन दिनों पिता के पास वही एक कमीज हुआ करती थी, जिसे मेरी मां के भाई विदेश से लाए थे और उसकी बैक के बीच में वह प्लीट थी। फिर वे सामने के हिस्सों पर बारी–बारी से इस्तरी करतीं, जब तक कि शर्ट बहुत अच्छी तरह से आइरन की हुई नहीं दिखने लगती। पिता अपनी पतलून की क्रीज को लेकर भी बहुत सचेत रहते थे। पतलून में एक शार्प क्रीज उनके लिए बहुत जरूरी थी, उन लोगों के विपरीत जिनकी पतलून पर जगह–जगह सिलवटें दिखती थीं और जो खराब इस्तरी का नतीजा हुआ करती थीं। हमारे घर में कभी कोई इस्तरी नहीं थी, न ही इस्तरी करने का कोई फैंसी बोर्ड था। इस्तरी करने के लिए हम हमेशा बरामदे की एक ऊंची सीढ़ी का उपयोग करते और उस पर कुछ दरी या चादरें ठीक से तह करके बिछा देते। घर में न खाने की मेज थी, न पढ़ने की। हर काम जमीन पर बैठकर ही किया जाता था। कभी–कभी मां मुझे अपने स्कूल की यूनिफॉर्म पर इस्तरी करने देतीं ताकि मैं इसे सीख सकूं। लेकिन मेरे अनुभवहीन हाथ उस सिंगल क्रीज को हासिल करने के लिए जद्दोजहद करते रहते और मैं जल्दबाजी कर बैठता। तब वे मुझे दोबारा इस्तरी करके दिखातीं कि यह ठीक तरह से कैसे किया जाता है। लेकिन उस सिंगल क्रीज और कड़क इस्तरी की हुई कमीज का विचार मेरे भीतर बस गया था। कमीज के दो बटनों के बीच 'डबरा' चलाना तो एक कला थी, जिससे हाथ के कुशल उपयोग से सिलवटों को मिटा दिया जाता। कमीज के उस सामने वाले हिस्से पर इस्तरी करना आसान था, जहां बटन होल होते थे। इसकी तुलना में बटन वाले हिस्से पर काम करना कठिन था। उस हल्की नीली कमीज के हर बटन के आसपास 'डबरा' को धीमे, सुनियोजित ढंग से चलाना और कमीज को एकदम साफ, क्रिस्पी रूप देने का वह हुनर भी मेरे मन में बसा रहा। मैं हमेशा सोचता था कि जब कमीज के बटन लगाने पर वह हिस्सा फिर से सिलवटों से भर जाने वाला है, तो उसे इतनी मेहनत से इस्तरी करने की क्या जरूरत है। लेकिन मेरे माता–पिता के लिए परफेक्शन एक निजी सोच थी। मां अच्छी तरह से इस्तरी की हुई सूती साड़ी पहनती थीं और उसकी प्लीट्स इतनी सटीक होती थीं कि अगर उन्हें स्केल से नापा जाए तो सभी बिल्कुल एक समान निकलें। साड़ी की सीधी खड़ी प्लीट और पिता की कमीज में कंधे से कोहनी तक की सटीक क्रीज– ये विवरण आज भी कुछ पुराने फोटो में दर्ज हैं और उन्हें मैं बार–बार निहारता रहता हूं। यह स्टाइल न केवल उन्हें गर्व से भरती, बल्कि यह उनके चेहरों पर तब मुस्कराहट भी ले आती, जब सड़कों पर कोई उन पर नजरें घटिका देता था। अगर पिता के लिए पतलून और कमीज की एकदम सीधी क्रीज के साथ चमचमाते हुए जूते आवश्यक थे तो मां हल्के रंग की सूती साड़ी को सलीके से पहनना पसंद करती थीं और पाउडर लगे चेहरे पर कुंकुम की गोल बिंदी बनाती थीं। वे रेडीमेड बिंदी का इस्तेमाल नहीं करती थीं। उन्होंने मुझे यह सिखाया कि जीवन में जो भी करो, उसे अच्छे से अच्छे तरीके से करने की कोशिश करो।

साइबर सुरक्षा के और भी रास्ते

प्रेम शर्मा

संचार साथी एप को लेकर संशय उठना लाजमी था। विश्व में किसी देश की तुलना की जाए तो भारत का मॉडल रूस जैसा दिखता है। रूस में 19 सरकारी एप्स अनिवार्य रूप से प्री–इंस्टॉल होते हैं। इनमें आईडी और सरकारी सर्विसेज के एप शामिल हैं। हाल ही में देश में मैक्स सुपर एप भी अनिवार्य किया गया है। जोकि लोकतांत्रिक देशों में आमतौर पर देखने नहीं मिलता। हाल ही में केंद्र सरकार ने निर्देश दिए थे कि आगामी वर्ष मार्च से हर नये स्मार्टफोन में 'संचार साथी' ऐप पहले इंस्टॉल करना अनिवार्य होगा। दूसरी ओर पुराने स्मार्ट फोनों में इसे सॉफ्टवेयर अपडेट द्वारा भेजा जाएगा। जिसको लेकर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी और शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बनाया। विपक्ष का कहना था कि इससे निजता का उल्लंघन होगा और व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ जाएगा। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री–इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। अधिकत्तर लोकतांत्रिक देशों में सरकारें एप प्री–इंस्टॉल करने को बाध्य नहीं करतीं। वे आमतौर पर साइबर सुरक्षा को कानूनों को सख्त करती हैं, सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स की जिम्मेदारी बढ़ाती हैं और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ बनाती हैं। भारत का मॉडल अपने आप में अद्वितीय है, क्योंकि यहां एक ऐसा एप अनिवार्य किया जा रहा है जिसे यूजर हटाने का विकल्प भी नहीं रखता। अमेरिका किसी भी सरकारी एप को प्री–इंस्टॉल करने का आदेश नहीं है। यहां साइबर सुरक्षा के लिए दो प्रमुख तरीके अपनाए जाते हैं। सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों के लिए ‟ज्प्दृौ ।झम्छ प्रोटोकॉल अनिवार्य है, जिससे कॉल स्पूफिंग रोकी जाती है। यूएस की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन का 24ध7 ऑपरेशन सेंटर ब्लॅजबी साइबर अपराधों पर नजर रखता है। प्रमाणित सूचना प्रणाली लेखा परीक्षक निजी कंपनियों के साथ मिलकर थ्रेट इंटेलिजेंस साझा करता है। यूजर्स पर कोई एप थोपने की बजाय, अमेरिका टार्गेटेड सर्विलांस और मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करता है।यूके कोई सरकारी एप प्री–इंस्टॉल नहीं करवाता। यहां ऑनलाइन सेफ्टी एक्ट 2023 टेक कंपनियों पर जिम्मेदारी डालता है। फेसबुक, गूगल जैसे प्लेटफॉर्म्स पर धोखाधड़ी करने वाले कंटेंट और स्कैम रोकने की कानूनी जिम्मेदारी है। यूजर–जनरेटेड कंटेंट की निगरानी भी इन्हीं प्लेटफार्म्स की जिम्मेदारी है। इस मॉडल में सरकार सीधे फोन या एप में हस्तक्षेप नहीं करती। यूरोपीय संघ डाटा प्रोटेक्शन और साइबर सुरक्षा में सबसे सख्त माना जाता है। लेकिन फिर भी ईयू किसी भी सरकारी एप का प्री–इंस्टॉलेशन अनिवार्य नहीं करता। साइबर रेजिलिएंस एक्ट के तहत हर डिवाइस को यूजर इस्तेमाल के पहले ही बॉक्स से बाहर सुरक्षित होना चाहिए। हर डिवाइस में कम से कम 5 साल के सिक्योरिटी अपडेट अनिवार्य हैं। डिजिटल सर्विसेज एक्ट के तहत गूगल, मेटा, टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म स्कैम हटाने के लिए जिम्मेदार हैं। ईयू का म्न्क्प् वॉलेट एप है लेकिन यह पूरी तरह स्वैच्छिक है। इसके साथ किसी प्री–इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता नहीं है।सिंगापुर में स्कैमशील्ड नाम का एप है जो पुलिस डाटाबेस के आधार पर कॉल और एसएमएस फिल्टर करता है। लेकिन एप पूरी तरह वैकल्पिक है। किसी भी फोन में यह प्री–इंस्टॉल नहीं होता। कोरिया ने एक बार स्मार्टशेरिफ नाम का सरकारी एप अनिवार्य किया था, लेकिन यह सिर्फ नाबालिगों के लिए था। यह एक तरह का पैरेंटल कंट्रोल एप था। ये एप संवेदनशील शब्दों पर अलर्ट भेजता था। फिर एप में गंभीर सुरक्षा खामियां मिलने के बाद 2015 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद किसी लोकतंत्र में ऐसा कदम दोबारा नहीं उठाया गया। हालकि संचार एप को लेकर भारत सरकार का कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है। लेकिन विपक्ष का आरोप था कि साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के नाम पर सरकारी हस्तक्षेप से नई तरह की असुरक्षा पैदा हो सकती है। बताया जाता है कि सरकार ने स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा ऐप इस तरह इंस्टाल करने को कहा था ताकि उसे डिलीट या अक्षम न किया जा सके। केंद्र की दलील थी कि यह ऐप उपभोक्ता को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रिपोर्ट लिखवाने में मदद करता। साथ ही चोरी किए गए मोबाइल की बरामदगी आसान हो पाती। लेकिन निजी डेटा सुरक्षा व इसकी कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए, जिसके चलते इसका विरोध हुआ। वैसे सर्च इंजन में पहले से मौजूद इस ऐप को देश के लाखों लोग पहले ही स्वेच्छा से डाउनलोड कर चुके हैं। लेकिन इसको अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के आदेश के बाद विरोध के स्वर उभरने लगे। जिसके बाद विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसके जरिये व्यक्ति की निजता का अतिक्रमण करके उसके जीवन में ताक–झांक की जा सकती है। हालांकि, विरोध के सुर मुखर होने के बाद सरकार की ओर से स्पष्टीकरण आया कि यह निर्णय वैकल्पिक है और कोई व्यक्ति इस ऐप को इच्छानुसार डिलीट कर सकता है।

पुस्तक समीक्षा

'रंग को तरसती तूलिका' (कहानी–संग्रह)

लेखक : रवि कुमार मिश्र
प्रकाशक : लोकरंजन प्रकाशन, प्रयागराज
पृष्ठ : 138
कीमत : 190/–
अमेजन पर उपलब्ध

प्रसिद्ध समाज शास्त्री और साहित्यकार रवि कुमार मिश्र का कहानी संग्रहषरंग को तरसती तूलिकाष 9 कहानियों का गुलदस्ता है जिसकी कहानियाँ जीवन मूल्यों को उद्घाटित करने वाली हैं। इस संग्रह की सभी कहानियाँ दिल को गहराई तक स्पर्श करती हैं। सहज वास्तविकता को ओढ़े इन कहानियों के साथ पाठक शीघ्र ही कदमताल करने लगता है। प्रत्येक कहानी पाठकों से कुछ न कुछ अवश्य कहती है। आइए,पहली कहानी से आरम्भ करते हैं।

1 सीढ़ी प्रेम की :–

इस संग्रह की पहली कहानी अपने शीर्षक से ही पाठकों में उत्सुकता जगाती है। वर्तिका और अनन्य की प्रेम कहानी को लेखक ने दैहिक प्रेम से परे रखकर उसके असली स्वरूप को परिभाषित किया है और इसमें वह पूर्णतया सफल हुए हैं। कहानी का सर्वाधिक सफल पक्ष यह है कि जैसे जैसे पाठक कहानी पढ़ता जाता है वैसे वैसे उसे उसका अंत जानने की जिज्ञासा बढ़ती जाती है। कहानी का अंत पाठक को संतोष प्रदान करता है। प्रेम को परिभाषित करते हुए लेखक के कुछ संवाद हृदय को अंदर तक स्पर्श करते हैं –

षजब हम प्रेम में रचने बसने लगते हैं तो फिर शारीरिक सौंदर्य की कैद से बाहर निकल जाते हैं। तब सौंदर्य किसी व्यक्ति विशेष तक सीमित नहीं होता,सौंदर्य का विस्तार होने लगता है तब हम मांगते नहीं है देने लगते हैं। हम दृश्य नहीं दृष्टा हो जाते हैं। हम अगली सीढ़ियों पर बढ़ने लगते हैं।

इस भावनाप्रधान कहानी के लिए लेखक को साधुवाद।

सुगंधा

इस संग्रह की दूसरी कहानी शसुगंधाश स्त्री– पुरुष के विवाहेत्तर संबंधों के बारे में सूक्ष्मता से पड़ताल करती है। आधुनिक युग में समाज बदल रहा है। पूर्व की अपेक्षा स्त्री–पुरुष एक तरफ यदि ज्यादा उन्मुक्त हैं तो दूसरी तरफ ज्यादा परिपक्व भी हो गए हैं। सुगंधा का पति विशाल उससे उम्र में काफी बड़ा है परन्तु इसे लेकर लेखक कोई असमंजस नहीं दिखाते। उन दोनों की रुचियाँ,आदतें और व्यवहार एक दूसरे से विपरीत है। आजकल हर पुरुष और स्त्री अपने अनुरूप जीवन को जीना चाहते हैं सुगंधा और प्रणय की प्रेम कहानी के माध्यम से लेखक इसे व्यक्त करने में पूर्ण सफल हुए हैं। विशाल घर पर नहीं है। सुगंधा प्रणय से मिलने को बेकरार है परंतु जब प्रणय सुगंधा के घर पहुंचते हैं तो विशाल के वहां पर उपस्थित रहने के दृश्य को लेखक ने बहुत सहजता से वर्णित किया है। कुल मिलाकर इस कहानी में लेखक यह संदेश देने में सफल हुए हैं कि प्रेम सिर्फ बाहर से नहीं नहीं बल्कि अंदर से महसूस किया जाता है। प्रणय की पत्नी सौम्या के विषय में कुछ और जानकारी दी जाती तो कहानी अधिक श्रेष्ठ हो सकती थी।

3 रंग को तरसती तूलिका

शीर्षक कहानी इस बात का प्रमाण है कि लेखक बहुत ही परिपक्व एवं मंजे हुए कथाकार हैं। अपने साथी के साथ भावनाओं के अभाव मे पुरुष के दांपत्य जीवन में आए सूनेपन को भरने के लिए प्राय वह पर–स्त्री की तरफ झुकता है परंतु किसी स्त्री का अपने से उम्र में काफी बड़े पुरुष के मन को पढ़ना और अपनी मर्यादा को न लांघते हुए उससे प्रेम करने के चित्रण को लेखक ने अपनी सशक्त लेखनी से इस कहानी में सजीव कर दिया है। कहानी के अंत में उस स्त्री का अपने हमउम्र मित्र के साथ विचारों और भावनाओं का तालमेल न होने के कारण ब्रेकअप लेना और फिर शहर छोड़ देना पाठकों को भावुक कर देता है।

4 पवित्र वितान

लेखक की कलम से निकली यह कहानी आधुनिक युग की आपा–धापी में पिता पुत्र के मध्य उलझे रिश्तों की दास्तां है जहां पर पुत्र, पिता के लिए समय ही नहीं निकाल पाता। पत्नी के निधन के पश्चात परिचय बाबू अकेले पड़ गए थे ऐसे समय किताबें ही उनका सहारा बनीं। उनके पीजी में रहने आई एक कन्या वाग्मिता की किताबों के प्रति रुचि के कारण वह उसे पुत्री के समान स्नेह करने लगे। श्यामा मां का भजन गाते हुए वाग्मिता उन्हें सुदूर अतीत में ले जाती है। उन्हें लगता है कि वाग्मिता के माध्यम से श्यामा माँ ने मानो उन्हें बुलाया है। (जहां वे बचपन में अपने पिता के साथ नित्य जाते थे) इस बार भी पुत्र के न पहुंचने के कारण वे अकेले ही 70 वर्ष की अवस्था में मां के दर्शन के लिए चले जाते हैं। इस कहानी के कुछ संवाद दिल को छू जाते हैं।

कितना सहज जीवन था तब। सारी परेशानियों के बावजूद भरोसे का जमाना, यकीन का जमाना, क्षमा कर देने का बहाना, मूल्यों का जमाना।

किताबों से जिसे लगाव हो उसके सारेअपराध परिचय बाबू के लिए क्षम्य थे।

5 सम्मान

प्रस्तुत कहानी श्मशान में घटी दो घटनाओं के माध्यम से विषमताओं से भरे मानव जीवन,समाप्त होती संवेदनाएं, ढीली पड़ती विश्वास की डोर तथा अंतिम सत्य मृत्यु को जानकर भी अंजान बने रहने के मनुष्य के गुण को लक्ष्य करते हुए,पाठकों को रिश्तों को बचाने के लिए आगाह करती है। इस कहानी का सहज प्रवाह आकर्षित करता है।

6 हत्यारा कौन

आधुनिकता के नाम पर स्त्री की उन्मुक्तता तथा उसके हर झूठ को सच मानने का समाज का नजरिया किसी का जीवन कैसे बर्बाद करता है,इसी पर आधारित है लेखक की कहानी हत्यारा कौन ।

पिता की असमय मृत्यु के पश्चात विधवा मां और बहन की जिम्मेदारी निभाते हुए पढ़ लिखकर उच्च पद पर सुशोभित अनन्य के हृदय में संस्कार कूट–कूट कर भरे हैं। बहुत उत्साह से उसके विवाह की तैयारी घर पर होती हैं परंतु सब की आशा के विपरीत उसकी होने वाली जीवन संगिनी दिव्या पहले से ही रिलेशनशिप में रहती है। कहानी का अंत चौंकाने के साथ–साथ विचलित भी करता है। लेखक की अन्य कहानियों की तरह इस कहानी के संवाद भी अव्वल दर्जे के हैं। एक बानगी देखिए

षजब पुरुष प्रेम में होता है तो वह स्त्री जैसा हो जाता है और जब स्त्री प्रेम में होती है तो पुरुष जैसा हो जाती है। प्रेम में पड़ा पुरुष कोमलता और संवेदना से भरने लगता है तथा स्त्री कहीं ना कहीं मुखर होने लगती है।ष

7 उपहार

प्रस्तुत कहानी में एक पुत्री का अपने पिता को अपनी मां के लिए कभी कुछ उपहार न खरीद कर देना बहुत अखरता है जबकि वही पिता अपने अनुज सम विद्यार्थी की वधू के लिए बहुत जतन से उपहार खरीदता है। इस विचार की परिणिति पुत्री द्वारा पिता से किए हुए प्रश्न से होती है कि उन्होंने उसकी मां के लिए कभी कोई उपहार क्यों नहीं खरीदा। पिता का बड़प्पन दिखाते हुए चुप रहना और अपने अतीत में जाकर इस क्यों का कारण तलाश करना इस कहानी को विशिष्ट बनाता है।

8 समानांतर

प्रस्तुत कहानी में लेखक ने बहुत बेबाकी से समाज में खोखले होते जा रहे पति–पत्नी के रिश्तों को खंगालने का प्रयास किया है। साथ ही साथ उन्होंने पाठकों को आधुनिक समाज के कटु यथार्थ को समझाने का सफल प्रयास भी किया है। समाज में एक चेहरे पर कई चेहरे लगाए लोग घूमते हैं और हमें इसकी भनक तक नहीं लगती। कहानी में अनिमेष जी के चरित्र का विस्तार देकर,इसे और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सकता था।

9 इस पार थी मैं

प्रस्तुत संग्रह की अंतिम कहानी अपनी भाषा–शैली एवं विषयवस्तु में बेजोड़ है। कॉलेज की नई नवेली शिक्षिका उसी कॉलेज में तैनात एक प्रोफेसर की कार से नियमित आती जाती है। इस शिक्षिका का विवाह भी होने वाला है। प्रोफेसर की निजी जिंदगी दुख से भरी है। उनकी नकचढ़ी,अपरिपक्व पत्नी के साथ उनकी जिंदगी नरक के समान बन गई है जिसकी परिणिति उस प्रोफेसर की कन्या के मानसिक अवसाद के रोगी के रूप में होने से होती है। प्रोफेसर के मन में चल रहे आशा– निराशा, सुख–दुख,भय– उमंग के भावों को लेखक ने बहुत खूबसूरती के साथ चित्रित किया है। अपनी विषय वस्तु तथा दमदार संवादों के कारण यह कहानी पाठकों के हृदय में अपनी अमिट छाप छोड़ती है। कहानी का एक वाक्यांश देखिए, मैत्री मुझे पसंद है पर दायरा भी मैं दहलीज के पार देखती हूं। दहलीज के अंदर भी गुनगुनाती रहती हूं । मेरे पास ख्वाब भी है हकीकत भी है। मैं फेमिनिज्म को पढ़ी हूं उसमें कुछ मुद्दों से पूर्णतया असहमत भी हूं पर मुझे अपने फेमिनिन एनर्जी पर भी नाज है। मैं आकाश के मैस्क्युलिन एनर्जी को भी अप्रिशिएट करती हूं।

कुल मिलाकर इस संग्रह की कुछ कहानियां प्रेम रस में पगी हैं तो अन्य कहानियां सामाजिक यथार्थ को नए तरीके से विश्लेषित करती हैं। समय और समाज पर पैनी दृष्टि रखने वाले कथाकार रवि कुमार मिश्र की कहानियों के पात्र आपको अपने आसपास के परिवेश में रचे–घुले मिल जाएंगे। मध्यम वर्गीय सामाजिक जीवन की जटिलताओं और विषमताओं को इन कहानियों में बेधड़क व्यक्त किया गया है। सरल, सहज प्रवाहमान भाषा में लिखी ये कहानियाँ मार्मिक होने के साथ–साथ जीवंत भी है। इन कहानियों में अनकंडीशनल लव, जो जैसा है उसे वैसा ही स्वीकार करने की प्रवृत्ति, किसी के प्रति जजमेंटल न होना तथा क्षमाशीलता जैसे प्रेरक संदेश भी हैं जो इसे हर वर्ग के पाठक के लिए उपयोगी बनाते है। पुस्तक का कवर अत्यंत आकर्षक है जो पाठक को पुस्तक पढ़ने के लिए प्रेरित करता है। लोकरंजन प्रकाशन ने इसे मात्र 190 रुपए की आकर्षक कीमत पर प्रकाशित किया है।

निश्चित ही यह संग्रह पाठकों को उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

रंजन पाण्डेय

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

मिलता सबको भाग्य से, चिंता की क्या बात।
करो भरोसा राम पर, मिले घात प्रतिघात।।
मिले घात प्रतिघात, भरोसा प्रभु पर रखना।
मिला सहारा राम, राममय रस को चखना।।
भला करेंगें राम, वहीं पर मन है खिलता।
जैसा करते काम,वही फल सबको मिलता।।

जब जब भटके राह में, दिखता प्रभु का धाम।
कंटक पथ के सब हटे, मिला सहारा राम।।
मिला सहारा राम, वही है जग के कर्ता।
सभी जपे यह नाम, जगत में दुख के हर्ता।।
दिखे दुखी जब भक्त, पुकारे प्रभु को तब तब ।
रहे सदा प्रभु संग, भक्त भी भटके जब जब।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

2017 के हाई–प्रोफाइल एक्ट्रेस यौन उत्पीड़न मामले में 8 साल बाद आया फैसला, सभी आरोपों से बरी हुए एक्टर दिलीप

साउथ फिल्म इंडस्ट्री को हिला देने वाली 2017 की एक्ट्रेस अपहरण और यौन उत्पीड़न केस में सोमवार को एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। लंबे समय से चल रही कानूनी प्रक्रिया के बाद एर्नाकुलम प्रिंसिपल सेशंस कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए एक्टर दिलीप को सभी आरोपों से बरी कर दिया। वहीं, इस केस से जुड़े पहले से छठे तक के मुख्य आरोपियों को दोषी पाया गया है। यह फैसला लगभग आठ वर्षों की सुनवाई, 200 गवाहों और कई दौर की फॉरेंसिक जांच के बाद सामने आया। ट्रायल दस्तावेजों और जांच रिपोर्ट के अनुसार– 17 फरवरी 2017 की रात एक्ट्रेस की कार का पीछा किया गया। मुख्य आरोपी पल्सर सुनी और उसके साथी जबरन कार में घुस आए। चलती कार में उन्होंने एक्ट्रेस के साथ मारपीट, यौन उत्पीड़न और गैंगरेप किया। इस घटना के वीडियो भी रिकॉर्ड किए गए, जिन्हें बाद में धमकी देने के लिए उपयोग किया जाना था। कोर्ट ने माना कि पूरी घटना पूर्व–नियोजित साजिश के तहत की गई। अपराधियों ने अपहरण, बंधक बनाना, शील भंग, गैंगरेप और इलेक्ट्रॉनिक अपराध जैसी कई गंभीर धाराओं के तहत अपराध किया। मलयालम के फेमस एक्टर दिलीप को जांच एजेंसी ने इस केस में आठवां आरोपी बनाया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने पल्सर सुनी गैंग के साथ अपराध की योजना बनाई। जांच के दौरान सबूत छिपाने, गवाहों को प्रभावित करने और जमानत की शर्तों का उल्लंघन करने की कोशिश की। लेकिन, गवाहों की विस्तृत जिरह, तकनीकी सबूतों की फॉरेंसिक जांच और कई वर्षों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि दिलीप की संलिप्तता साबित करने के लिए पर्याप्त प्रमाण मौजूद नहीं हैं। इसलिए उन्हें पूरी तरह बरी किया जाता है। यह केस शुरू से ही बेहद हाई–प्रोफाइल रहा। सुनवाई के दौरान 200 से अधिक गवाह पेश किए गए। फिल्म इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियों ने गवाही दी। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, व्हाट्सऐप चौट, कॉल रिकॉर्ड और वीडियो फुटेज की फॉरेंसिक जांच हुई। जांच अधिकारियों और टीम को कई बार बदला गया। दिलीप की जमानत रद्द

> “
> लंबे समय से चल रही कानूनी प्रक्रिया के बाद एर्नाकुलम प्रिंसिपल सेशंस कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए एक्टर दिलीप को सभी आरोपों से बरी कर दिया। वहीं, इस केस से जुड़े पहले से छठे तक के मुख्य आरोपियों को दोषी पाया गया है। यह फैसला लगभग आठ वर्षों की सुनवाई, २०० गवाहों और कई दौर की फॉरेंसिक जांच के बाद सामने आया।

कराने के प्रयास भी सुर्खियों में रहे। जज हनी एम. वर्गीज ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा प्रॉसिक्यूशन के सबूत केवल मुख्य आरोपियों की भूमिका साबित कर पाए। दिलीप के खिलाफ प्रत्यक्ष या तकनीकी प्रमाण नहीं मिल सके। दिलीप ने कोर्ट के फैसले पर राहत जताई और कहा कि सच सामने आ गया। वहीं, पीड़िता की ओर से बयान आया कि वे फैसले की कॉपी मिलने के बाद हाई कोर्ट में अपील पर विचार करेंगी।

बेजोड़ अवाज और दमदार अभिनय के मालिक हैं शत्रुघ्न सिन्हा, ऐसे किया बॉलीवुड पर राज

आज के दिन यानी की 09 दिसंबर को बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा अपना 79वां जन्मदिन मना रहे हैं। फिल्मी दुनिया में शत्रुघ्न सिन्हा ने बतौर सपोर्टिंग रोल से शुरूआत की थी। इंडस्ट्री में अभिनेता को श्शॉटगनश भी कहा जाता है। बड़े पर्दे पर अभिनेता के मुंह से निकलने वाला हर शब्द बंदूक की गोली की तरह लगता था। फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेता की एक अलग पहचान थी और शत्रुघ्न सिन्हा ने विलेन और हीरो दोनों ही रोल में अपना दम दिखाया है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

बिहार की राजधानी पटना में 09 दिसंबर 1945 को शत्रुघ्न सिन्हा का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम भुवनेश्वरी देवी प्रसाद और मां का नाम श्यामा देवी सिन्हा था। उन्होंने पटना साइंस कॉलेज से पढ़ाई करने के बाद पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से पढ़ाई की। बता दें कि आज भी शत्रुघ्न सिन्हा के नाम पर डिप्लोमा करने वाले स्टूडेंट्स को एफटीआईआई को स्कॉलरशिप दी जाती है।

फिल्मी सफर

चेहरे पर कट होने के कारण शत्रुघ्न सिन्हा को शुरूआती दौर में फिल्में मिलना मुश्किल हो जाता था। फिल्म श्प्रेम पुजारीश में पाकिस्तानी मिलिट्री अफसर का किरदार निभाकर अभिनेता ने अपनी एक्टिंग करियर की शुरूआत की थी। साल 1976 में अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने फिल्म कालीचरण में काम किया था। इसके बाद अभिनेता को कभी पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं पड़ी। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई। इसके बाद अभिनेता ने श्जमाना दीवाना और दोस्तानाश, श्जानी दुश्मनश, श्हीराश, श्ब्लैकमेलश, श्रास्ते का पत्थरश, श्यार मेरी जिंदगीश, श्दोस्तानाश, श्बनफूलश, श्प्यार ही प्यारश, श्काला पत्थरश, श्यारों का यारश, श्खुदगर्जश, और श्विश्वनाथश जैसी फिल्में की हैं।

पर्सनल लाइफ

अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने पूर्व मिस यंग इंडिया श्पूनम सिन्हाश के साथ शादी रचाई थी। अभिनेता ने पूनम को चलती ट्रेन में फिल्म श्पाकीजाश के डायलॉग श्अपने पांव जमीन पर मत रखिएगा...श के कागज पर लिखकर प्रपोज किया था। फिर साल 1980 में दोनों ने शादी कर ली। इनके दो बेटे लव, कुश और एक बेटी अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा हैं।

आमिर खान ने बताई सितारे जमीन पर की सफलता की वजह, कहा– मैं हमेशा कहानी पर भरोसा करता हूं

बॉलीवुड स्टार और फिल्मकार आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर इसी साल 20 जून को रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। साथ ही इसने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई की थी। वहीं, अब हाल ही में आमिर ने सितारे जमीन पर की सफलता को लेकर खुलकर बात की है। हाल ही में एक समिट में शामिल हुए आमिर खान से जब सितारे जमीन पर की सफलता को लेकर पूछा गया तो एक्टर ने कहा– "यह मेरे लिए बहुत हिम्मत देने वाली बात है, क्योंकि मैं हमेशा से कहानी पर भरोसा करता हूँ। मेरा मानना है कि किसी भी जॉनर की फिल्म हो, एक्शन या थ्रिलर उसमें अच्छी कहानी जरूरी है। टेक्नोलॉजी बदलती रहती है, लेकिन यह नहीं बदलता कि लोग कहानी से जुड़ते हैं। मेरे लिए तो यह मेरे काम की सबसे बुनियादी बात है। इससे पहले जब उनसे पूछा गया, "सितारे जमीन पर के लिए ऐसा कौन–सा तारीफ भरा कमेंट मिला जिसने आपको सच में हैरान कर दिया?" तो एक्टर ने कहा, "दर्शकों की प्रतिक्रियाएं देखना बहुत भावुक करने वाला था। खासकर वे लोग जो किसी दिक्कत से गुजर रहे हैं, जो न्यूरोएटिपिकल हैं उनकी प्रतिक्रिया, उनके परिवार वालों की प्रतिक्रिया, माता–पिता, भाई–बहनों की खुश्शीश्यह सब देखना बहुत दिल छू लेने वाला था। मुझे लगता है कि इस कम्युनिटी ने इस फिल्म को सच में अपना लिया और यह देखना बहुत अच्छा लगा। इसके साथ ही, मुझे यह भी बहुत खुशी हुई कि फिल्म दुनिया भर के आम दर्शकों से भी जुड़ पाई। काम की बात करें तो आमिर खान के पास कई अपकमिंग प्रोजेक्ट हैं। हाल ही में उन्होंने हैप्पी पटेल की घोषणा की है, जो उनके अपने बैनर आमिर खान प्रोडक्शंस के तहत बन रही है। इसके साथ ही वह लाहौर 1947 में भी नजर आएंगे, जिसका निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं।

टीवी की 'पार्वती' के घर गूंजी किलकारियां, सोनारिका भदौरिया ने बेटी को दिया जन्म

'देवों के देव महादेव' में पार्वती का किरदार निभाने वाली सोनारिका भदौरिया लंबे समय से अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी को एन्जॉय करती नजर आ रही थी। लगातार एक्ट्रेस अपने बेबी बंप का फोटों इंस्टाग्राम पर शेयर करती दिख रही है। इस बीच एक्ट्रेस ने गुड न्यूज सोशल मीडिया पर शेयर की है। सोनारिका ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। इसकी खबर उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। एक्ट्रेस ने अनाउंस किया कि वह और विकास बेबी गर्ल के पैरेंट्स बन गए हैं। इस दौरान फैंस और सेलेब्स दोनों ही बधाई देने में लगे हैं।

सोनारिका ने दी गुड न्यूज

इंस्टाग्राम पर सोनारिका ने एक फोटो शेयर की है जिसमें उनके और विकास के हाथों में बेटी के पैर हैं। फोटो शेयर कर उन्होंने लिखा, 5.12.2025, हमारा प्यार और बड़ा आशीर्वाद। वह यहां है और हमारी दुनिया भी बन गई हैं।

सितंबर में अनाउंस की प्रेग्नेंसी

एक्ट्रेस सोनारिका और विकास ने सितंबर 2025 में अनाउंस किया कि दोनों जल्द पैरेंट्स बनने वाले हैं। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने बेबीमून की फोटोज भी शेयर की थी, जिसमें वह बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रही थीं। फोटोज को शेयर कर उन्होंने लिखा था हमारा अब तक का सबसे बड़ा एडवेंचर।

सोनारिका–विकास की लव स्टोरी

पिछले साल 2024 में सोनारिका ने विकास पाराशर से राजस्थान में शादी की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विकास, सोनारिका के भाई के दोस्त थे और उनसे वह जिम में मिली थीं। सोनारिका ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह पहले से श्योर थी कि पार्टनर के रुप में उन्हें एक्टर नहीं चाहिए था। एक्ट्रेस का कहना था कि इंडस्ट्री के बाहर से पार्टनर के होने से बैलेंस बना रहता है। विकास उन्हें बहुत सपोर्ट करता है।

सोनारिका का टीवी करियर

सोनारिका भदौरिया ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ की शुरुआत साल 2011 में टीवी शो 'तुम देना साथ मेरा' से टीवी डेब्यू किया। लेकिल वह 'देवों के देव महादेव' सीरियल में माता पार्वती के रोल से घर–घर में फेमस हुईं।

बिग बॉस 19 फिनाले में सलमान खान ने कन्फर्म की किक 2 पर काम करने की बात

सलमान खान वह नाम है जिसे पूरी दुनिया जानती है, एक ऐसा स्टार जिसकी चमक सरहदों और संस्कृतियों से भी आगे जाती है। बॉलीवुड के सबसे बड़े एक्टर्स में से एक, उनके पास ऐसा फैन बेस है जो किसी और के पास नहीं, जो हमेशा वफादार, जुनूनी और हमेशा उन्हें बड़े पर्दे पर अपना जादू बिखेरते देखने के लिए तैयार रहता है। जब भी सलमान खान की फिल्म रिलीज होती है, थिएटर त्योहार जैसा माहौल ले लेते हैं और फैंस सिनेमाघरों में उमड़ पड़ते हैं, सिर्फ उनकी स्टाइल, उनका चार्म और उनकी दमदार मौजूदगी देखने के लिए। दर्शक लंबे समय से उनकी किसी बड़ी वापसी का इंतजार कर रहे थे और अब सुपरस्टार ने उन्हें खुश होने का मौका दे ही दिया है। हाल ही में बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले में सलमान खान ने फैंस को एक बड़ी खुशखबरी दी। एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वे अब किक 2 पर काम शुरू कर चुके हैं। एक पल में वायरल हुई उनकी लाइन थी, "मैं अभी किक 2 कर रहा हूँ।" इस ऐलान ने इंटरनेट पर तूफान मचा दिया और फैंस की खुशी सातवें आसमान पर पहुँच गई। पहली किक सलमान की सबसे बड़ी और सबसे पसंद की जाने वाली फिल्मों में से एक रही है। रिलीज के समय इसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धमाका किया था। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्देशित और निर्मित इस एक्शन से भरी मनोरंजक फिल्म में सलमान खान, जैकलीन फर्नांडीज, रणदीप हुड्डा और नवाजुद्दीन सिद्दीकी अहम भूमिकाओं में थे। अब जब किक 2 की आधिकारिक पुष्टि हो गई है, फैंस की उम्मीदें भी आसमान छू रही हैं, सबको सुपरस्टार से एक और ब्लॉकबस्टर का इंतजार है।

केला उबालें और रात में पिएं इसका पानी, फिर सुबह देखें चमत्कार!

यह तो हम सभी जानते हैं कि केले को रोजाना डाइट में शामिल करने से कई तरह के हेल्थ बेनिफिट्स मिलते हैं। पर क्या आपने कभी केले को उबालकर खाने का सोचा है, अगर नहीं तो अब सोच लेना चाहिए। केला और उसका पानी पोषण से भरपूर होते हैं, और इसे रात को साने से पहले पीने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिल सकते हैं। यह नुस्खा विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो नींद से संबंधित समस्याओं, पाचन, या तनाव से जूझ रहे हैं। आइए इसके फायदे और इसके उपयोग के बारे में जानते हैं।

उबले केले के पानी के फायदे

बेहतर नींद के लिए फायदेमंदः केले में मौजूद मैग्नीशियम और पोटैशियम मांसपेशियों को आराम देते हैं और बेहतर नींद में मदद करते हैं। यह शरीर में मेलाटोनिन के स्तर को बढ़ाकर नींद की गुणवत्ता को सुधारता है।

पाचन को बेहतर बनाता हैः केले का पानी पाचन तंत्र को शांत करता है और कब्ज को दूर करने में मदद करता है। फाइबर युक्त यह पेय आंतों की सेहत में सुधार करता है।

तनाव और चिंता कम करता हैः केले में मौजूद ट्रिप्टोफैन एक अमीनो एसिड है, जो सेरोटोनिन (खुशी का हार्मोन) का उत्पादन बढ़ाता है। यह मानसिक तनाव को कम करके मूड को बेहतर करता है।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता हैः पोटैशियम रक्तचाप को संतुलित करने और दिल की सेहत में सुधार करने में सहायक है।

इम्यूनिटी को मजबूत करता हैः केले में विटामिन बी6 और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।

त्वचा की सेहत में सुधारः केले का पानी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो त्वचा को चमकदार और हेल्दी बनाता है।

उबले केले का पानी बनाने की विधि

– एक पके हुए केले को धोकर छिलके के साथ टुकड़ों में काट लें।

–एक पैन में पानी लें और उसमें कटे केले डालें।

–इसे 10–15 मिनट तक उबालें।

–पानी को छान लें और इसे हल्का ठंडा होने दें।

–स्वाद के लिए शहद या दालचीनी मिला सकते हैं।

नियमित रूप से उपयोग करने के सुझाव

रात को सोने से 30 मिनट पहले इस पानी का सेवन करें। अधिकतम लाभ पाने के लिए इसे रोजाना पीने की आदत बनाएं। यदि आप किसी स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित हैं, तो इसे पीने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें। उबले केले का पानी स्वास्थ्य के लिए एक प्राकृतिक और प्रभावी उपाय है। यह नींद में सुधार, तनाव को कम करने, और पाचन तंत्र को मजबूत करने में सहायक है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप बेहतर स्वास्थ्य पा सकते हैं।

सर्दियों में फटे होठों को हील करें, लिप्स को सॉफ्ट बनाने के लिए Vitamin E कैप्सूल आएगा काम

सर्दियों में ठंड का असर सबसे चेहरे पर प्रभावित होता है। लिप्स सबसे पहले प्रभाव पड़ता है। जिससे सर्दियों में होठ जल्दी फटने लगते है। आइए आपको बताते हैं सर्दियों में फटे हुए होठों को कैसे ठीक किया जाता है।

विंटर सीजन में फटे होंठों की समस्या काफी बढ़ने लगती है। जिससे काफी पेरशानी तो बढ़ जाती है, वही चेहरे की सुंदरता को भी काफी प्रभाव पड़ने लगता है। होठों की त्वचा बेहद ही पतली और नाजुक होती है और ऐसे में ठंडी हवा और कम आर्द्रता के कारण होठो से नमी कम होने लगती है। ऐसे में आप अपने होठों को देखभाल के लिए विटामिन ई कैप्सूल को एड कर सकते हैं।

जानें सर्दियों में फटे हुए होठों को कैसे ठीक करें

विटामिन ई और शहद

सर्दियों में होंठों की देखभाल करने के लिए आप विटामिन ई कैप्सूल को शहद के साथ मिलाकर होंठों पर लगाने से नमी बनी रहेगी और त्वचा भी हाइड्रेट रहेगी। इसके इस्तेमाल के लिए आप विटामिन ई कैप्सूल से तेल निकालें और एक चम्मच शहद में इसे मिलाकर अच्छे से मिला लें। फिर आप होंठों पर लगाएं और इसे 15–20 मिनट तक छोड़ दें और समय पूरा होने पर पानी से साफ कर लें। इससे आपके होंठों को नमी प्रदान करता है।

विटामिन ई कैप्सूल और नारियल का तेल

नारियल तेल और विटामिन ई का मिश्रण त्वचा की नमी बनाए रखता है। अपने फटे होठों को जल्दी ठीक करने के लिए मदद करता है। नारियल तेल में एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो त्वचा को हेल्दी बनाए रखता है। विटामिन कैप्सूल का तेल निकालें और इसे एक चम्मच नारियल तेल में मिलाकर अच्छे से मिक्स कर सकते हैं। इसको आप रात को लगा सकते हैं फिर देखें चमत्कार।

विटामिन ई और ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल और विटामिन ई कैप्सूल को एक साथ मिलाकर होंठों पर लगाने से त्वचा में नमी बनीं रहती है। ऑलिव ऑयल में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो त्वचा तो हाइड्रेटेड और हेल्दी रखते हैं। विटामिन ई कैप्सूल का तेल निकालकर और इसे आप ऑलिव ऑयल के साथ मिलाकर , इस मिश्रण को दिन में दो बार होंठों पर जरुर लगाएं। इससे आपके होठ नरम रहेंगे और त्वचा भी हाइड्रेट रहेगी।

वेट लॉस से लेकर हॉर्ट हेल्थ तक के लिए फायदेमंद है `सस्ता बादाम', कमजोर शरीर में भर जाएगी जान

सर्दियों का मौसम आते ही हर घर में मूंगफली आती है। कुछ लोग इसको टाइम पास भी कहते हैं, तो वहीं कुछ लोग सर्दियों में धूप सेंकते हुए या फिर मूड को ठीक करने के लिए खाते हैं। सर्दियों में लोग बादाम से ज्यादा मूंगफली खाना अधिक पसंद करते हैं। अगर आपको भी बैठे–बैठे मूंगफली छीलकर खाना खाली टाइम पास लगता है, तो बता दें कि मूंगफली हमारी सेहत के लिए कई तरह से फायदा पहुंचाती है। क्योंकि मूंगफली गुणों की खान है। मूंगफली वेट लॉस से लेकर हॉर्ट हेल्थ तक के लिए फायदेमंद होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मूंगफली किस तरह से हमारी सेहत के लिए लाभकारी होती है।

मुंगफली के फायदे

मूंगफली खाने के वैसे तो बहुत फायदे होते हैं। यही कारण है कि इसको सस्ता बादाम भी कहा जाता है। मूंगफली में बहुत सारे पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम, सेलेनियम, कॉपर और आयरन जैसे गुण पाए जाते हैं।

सर्दियों में भी मूंगफली खाने के अपने फायदे होते हैं और इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है।

अगर आप भी शरीर के आढ़ी–टेढ़ी मसल्स से परेशान हैं, जो आपके लुक को खराब कर रहे हैं तो आपको रोजाना भीगी हुई मूंगफली खानी चाहिए। भीगी हुई मूंगफली खाने से धीरे–धीरे मसल्स टोंड होंगी। क्योंकि मूंगफली कैल्शियम, आयरन, नियासिन, फोलेट और जिंक का भी अच्छा सोर्स माना जाता है।

अगर सर्दियों में आपके कमर और जोड़ों में बहुत दर्द होता है। तो मूंगफली आपको आराम दिला सकती हैं। इससे आराम पाने के लिए भीगी हुई मूंगफली को थोड़े गुड़ के साथ खाएं। क्योंकि इसमें कैल्शियम और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। मूंगफली का सेवन करने से हड्डियां मजबूत बनती हैं।

मूंगफली में विटामिन ई, के और बी6 पाया जाता है। यह सेहत के लिए अच्छा माना जाता है।

इसके साथ ही मूंगफली में ओमेगा 6 पाया जाता है, यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा होता है।

मूंगफली का सेवन करने से शरीर में गर्मी और एनर्जी आती है। इसलिए इसको श्गरीबों का बादामश कहा जाता है। जो फायदा आपको बादाम के सेवन मिलता है, वही फायदा मूंगफली से भी मिलता है। इसका नियमित सेवन खांसी में भी राहत दिलाता है। इसको खाने से पेट से जुड़ी कई समस्याओं से राहत देता है।

मूंगफली में फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है। जो पाचन तंत्र के लिए बेहतर होता है। साथ ही मूंगफली खाने से कब्ज जैसी समस्याओं से भी निजात दिलाने में सहायक होता है।

प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए मूंगफली काफी फायदेमंद होती है और यह बच्चे के विकास में भी अच्छा माना जाता है।

मूंगफली के सेवन से दिल के रोगों के खतरे को भी कम किया जा सकता है।

मूंगफली खाने से शरीर में गर्माहट आती है, जिसकी वजह से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और दिल भी स्वस्थ रहता है। मूंगफली खाने से हार्ट अटैक या दिल संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

इस साल इन फेमस डिशेज ने जीता लोगों का दिल, आप भी करें ट्राई

हर साल हमने फूड ट्रेंड्स को बदलते देखा है। अक्सर नई–नई रेसिपीज हमें लुभाती हैं। तो वहीं कई बार पुरानी रेसिपीज के फ्यूजन भी कमाल के होते हैं। ठीक इसी तरह साल 2024 में पाक कला की दुनिया ने पारंपरिक स्वाद और फ्यूजन व्यंजनों का एक बेहद रोमांचक मिश्रण देखने को मिला। कुछ डिशेज टॉप पर रहीं, तो कुछ फूड्स बेहद पॉपुलर हुए। अब नए साल में फूड इंडस्ट्री हम सभी को कैसे सरप्राइज करती है, यह देखना काफी दिलचस्प होगा। अगर आप भी हर बार कुछ नया खाना ट्राई करना पसंद करते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस साल के पॉपुलर फूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

वड़ा पाव

वड़ा पाव महाराष्ट्र की शान है। इसको शुरू करने वाले इंसान ने क्या कभी सोचा होगा कि एक दिन यह डिश ग्लोबली पसंद की जाएगी। महाराष्ट्र की इस फेमस डिश ने अपनी पहचान टेस्ट एटलस की लिस्ट में भी शामिल की थी। मार्च में जारी बेस्ट सैंडविच की टॉप 20 लिस्ट में वड़ा पाव को 19वां रैंक मिला था।

बटर चिकन बाओ

बटर चिकन बाओ ने लोगों को काफी इंप्रेस किया। चीनी बाओ और भारतीय बटर चिकन की यह जुगलबंदी लोगों को खूब पसंद आई। साल 2024 में इस डिश को आपने भी कई मेन्यू लिस्ट में देखा होगा। मलाईदार मसालेदार चिकन को फूले हुए बाओ बन्स भरने के बाद जो कॉम्बिनेशन बनकर तैयार हुआ वह हिट रहा। दही और मसालों में मैरीनेट चिकन को टमाटर और काजू वाली ग्रेवी को पकाकर मीठे स्टीम्ड बाओ बन्स में भरकर परोसा जाता है।

मलाई कुल्फी आइसक्रीम सैंडविच

कुल्फी और आइस्क्रीम दो अलग–अलग चीजें हैं। तो वहीं सैंडविच एक स्नैक है। लेकिन क्या किसी ने सोचा था कि इस सब चीजों को मिलाकर नई डिश बनाई जा सकती है। पिछले कुछ महीनों में इस फ्यूजन ने बड़ा बज क्रिएट किया। लोगों को यह एक्सपेरिमेंट काफी पसंद आया। तो कुछ ने इसे बकवास भी बताया। वॉफल सैंडविच के साथ पारंपरिक मलाई कुल्फी को मॉर्डन डेजर्ट में बदला गया। वॉफल के बीच मलाई कुल्फी के स्लाइस और ऊपर से चॉकलेट सिरप डालकर इसको सर्व किया जाता है।

मैंगो लस्सी

जुलाई महीने टेस्ट एटलस ने फिर से बेस्ट और वर्स्ड फूड की लिस्ट जारी की थी। जिसमें मैंगो लस्सी ने पहला स्थान पाया था। भारतीय लोगों को आम तो बहुत पसंद है। साथ ही गर्मियों में धूप से राहत देने वाली लस्सी भी समर ड्रिंक में टॉप पर है। दोनों के कॉम्बिनेशन का स्वाद लोगों को पसंद आता है। यही वजह है कि आम से बनी यह ड्रिंक बेस्ट इंडियन फूड का खिताब अपने नाम करने में सफल रही।

सुशी समोसा

यह एक जापानी डिश है, जिसको फिश, स्टिकी राइस, सीवीड और सोया सॉस से बनाया जाता है। समोसा भारतीय डिश है और इसमें आलू की फिलिंग होती है। लेकिन क्या आपने दोनों के कॉम्बिनेशन के बारे में सुना है। अगर नहीं, तो बता दें कि साल 2024 में यह एक्सपेरिमेंट भी किया गया है। जिसमें सुशी समोसा बनाया गया। इसमें एवोकाडो, स्टिकी राइस और वेज सब्जियों और नॉन–वेज सामग्री से फिलिंग की गई। यह पुदीना की चटनी के साथ नहीं बल्कि सोया या फिर वसाबी मेयो के साथ खाया जाता है।

पिस्ता तिरामिसू

यह एक इटैलियन डिश है, इसमें मस्करपोन की जगह पिस्ता क्रीम के साथ नट ट्विस्ट दिया गया। नटी फ्लेवर वाला तिरामिसू केक अगर आपने अभी तक नहीं खाया है। तो आपको एक बार इसे जरूर ट्राई करना चाहिए। इस कॉम्बिनेशन में दो अलग देशों की डेजर्ट्स को मिलाकर एक बेहद कमाल की डिश तैयार की जा सकती हैं। बहुत सारे लोगों को यह फ्यूजन पसंद आया और इस नए टेस्ट ने लोगों के दिलों में जगह बनाई।

हैदराबादी बिरयानी

बता दें कि चिकन बिरयानी से बढ़िया मील शायद ही कुछ हो। नॉनवेज खाने वाले लोगों के लिए यह स्टेपल है। चिकन और चावल से तैयार इस डिश को आप लंच या डिनर दोनों में खा सकते हैं। इसका अलग–अलग वर्जन भी लोगों को बहुत पसंद आता है। लेकिन ऑथेंटिक हैदराबादी बिरयानी टक्कर देना थोड़ा सा मुश्किल है। टेस्ट एटलस ने अपने टॉप फूड की लिस्ट हैदराबादी बिरयानी को नंबर 6 में शामिल किया था। रायता और सालन के साथ इस बिरयानी का अपना ही मजा होता है।

संक्षिप्त

उत्तर प्रदेश में 18000 स्टार्टअप, एक लाख रोजगार सृजित; 6800 से अधिक कंपनियों में एक महिला निदेशक भी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप परिदृश्य में उल्लेखनीय बदलाव आया है। इस राज्य में 18,568 स्टार्टअप सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश अब उद्यमिता का मजबूत गढ़ बन चुका है। इनमें से लगभग आठ हजार स्टार्टअप्स का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। सरकार की नीतियों में यह दृष्टिकोण साफ झलकता है।

युवाओं को मिला तकनीकी सहयोग

स्टार्टअप नीति ने युवाओं को न केवल उद्यम आरंभ करने का अवसर दिया है बल्कि उन्हें जरूरी मेंटरशिप, वित्तीय सहयोग और तकनीकी सहयोग भी उपलब्ध कराया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, इनक्यूबेशन सेंटरों की संख्या में तेजी से हुई वृद्धि ने नए उद्यमियों को जमीन स्तर से लेकर उद्योग स्थापना को मजबूत आधार दिया है।

स्टार्टअप में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी

2019 में स्टार्टअप की संख्या 807 से बढ़कर 2023 में 3,426 हो गई। यह बढ़ते उद्यमशीलता विश्वास और सरकारी समर्थन को दर्शाता है। इस अवधि में इन उद्यमों ने 34,000 रोजगार सृजित किए। स्टार्टअप में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी देखने को मिल रही है। 6,800 से अधिक स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक है।

कई यूनिकॉर्न भी शामिल

हाल में स्टार्टअप कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया था कि कई यूनिकॉर्न भी शामिल हैं। सरकार ने इनक्यूबेटरों को बढ़ावा देने और स्टार्टअप्स को बढ़ने में मदद करने के लिए 137 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है। श्रम मंत्रालय के मुताबिक, स्टार्टअप्स में वृद्धि के साथ उत्तर प्रदेश सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र का केंद्र बना हुआ है। राज्य में 96 लाख एमएसएमई हैं, जो 1.75 करोड़ रोजगार प्रदान करते हैं। यह सभी इकाइयों का 14.2 प्रतिशत है।

डीजीसीए का इंडिगो पर कड़ा एक्शन, एयरलाइन की उड़ानों में पांच प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों में 5प्रतिशत कटौती करने का निर्णय लिया है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो हर दिन करीब 2,200 उड़ानें चलाती है। अब इसमें से लगभग 110 उड़ानें रोज कम होंगी। एयरलाइन से 10 दिसंबर तक संशोधित शिड्यूल सौंपने को कहा गया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, एयरलाइन को इस बारे में बता दिया गया है और कौन–कौन सी उड़ानें कम की जाएंगी, इसकी सूची तैयार की जा रही है। डीजीसीए की ओर इंडिगो को जारी आधिकारिक नोटिस में कहा गया है कि विंटर शेड्यूल के तहत नवंबर 2025 के लिए एयरलाइन को प्रति सप्ताह 15,014 प्रस्थान और कुल 64,346 उड़ानों की मंजूरी दी गई थी। हालांकि, परिचालन आंकड़ों से पता चलता है कि इंडिगो केवल 59,438 उड़ानें ही संचालित कर पाई। नवंबर में एयरलाइन की 951 उड़ानें रद्द की गईं। नोटिस के अनुसार, इंडिगो को समर शेड्यूल 2025 की तुलना में विंटर शेड्यूल में 6: के इजाफे की अनुमति दी गई थी, इसके तहत 403 विमानों के उपयोग की मंजूरी थी। लेकिन एयरलाइन अक्तूबर 2025 में केवल 339 और नवंबर 2025 में 344 विमान ही संचालित कर सकी। डीजीसीए ने कहा कि एयरलाइन ने 2024 की सर्दियों की तुलना में अपने प्रस्थान में 9.66: और इस वर्ष के गर्मियों के शेड्यूल की तुलना में 6.05: की वृद्धि की थी, लेकिन वह इस शेड्यूल का कुशलतापूर्वक संचालन नहीं कर सकी।

क्या है डीजीसीए का निर्देश?

डीजीसीए ने अपने आदेश में कहा, एयरलाइन को अपने शेड्यूल को 5प्रतिशत तक घटाने का निर्देश दिया जाता है, यह कटौती विशेष रूप से अधिक मांग और अधिक फेरों वाले उड़ानों में हो। साथ ही, इंडिगो को किसी रूट पर जारी एकल उड़ानों को बंद करने से बचना चाहिए।

घर में पकने वाली थाली की कीमत एक साल में 13% घटी; आलू, टमाटर–प्याज के भाव घटने का नवंबर में दिखा असर

नई दिल्ली। सब्जियों और दालों के भाव घटने से घर में पकने वाली शाकाहारी और मांसाहारी थाली एक साल में 13 फीसदी तक सस्ती हो गई। क्रिसिल रेटिंग के अनुसार, नवंबर में शाकाहारी थाली की कीमत 28.4 रुपये रह गई जो नवंबर, 2024 में 32.7 रुपये थी। इसी दौरान मांसाहारी थाली का दाम 61.5 रुपये से घटकर 53.8 रुपये पर आ गया। क्रिसिल के अनुसार, मासिक आधार पर अक्तूबर में मांसाहारी थाली की कीमत 54.4 रुपये और शाकाहारी थाली की कीमत 27.80 रुपये रही थी। घर पर थाली बनाने की औसत लागत की गणना उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में कीमतों के आधार पर की जाती है। आलू व टमाटर की कीमतों में क्रमशः 5 और फीसदी की वृद्धि हुई। इससे थालियों की कुल लागत में वृद्धि हुई। अन्य प्रमुख वस्तुओं की कीमतें लगभग स्थिर रहीं।

टमाटर के दाम सबसे अधिक घटे

अधिक आपूर्ति के कारण टमाटर की कीमतों में पिछले वर्ष की तुलना में 17 फीसदी की गिरावट आई। उच्च आधार के कारण आलू के दाम इस दौरान 29 फीसदी घट गए। पिछले रबी सीजन से अधिक स्टॉक की उपलब्धता और कमजोर निर्यात के कारण प्याज की कीमतों में 53 फीसदी की कमी आई है। स्टॉक में वृद्धि से चालू वित्त वर्ष में दालों की कीमतों में 17 फीसदी की गिरावट आई है। इसकी वजह आयात में तेजी है।

वनस्पति तेलों के भाव बढ़े

त्योहारी सीजन में ज्यादा मांग के चलते वनस्पति तेल और गैस सिलिंडर की कीमतें 6 फीसदी बढ़ीं। इससे थालियों की कुल लागत में गिरावट सीमित हो गई। मांसाहारी थाली की कीमत में गिरावट चिकन की कीमतों में 12 फीसदी की कमी के कारण आई है जो इसकी कुल लागत का लगभग 50 फीसदी है। सब्जियों और दालों की कम कीमतों ने भी इस गिरावट में योगदान दिया है।

ऑस्ट्रेलिया को झटका, हेजलवुड बाकी बचे मैच भी नहीं खेल पाएंगे; अगले टेस्ट में कप्तान कमिंस की वापसी तय

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को बड़ी चोट के चलते पूरी एशेज सीरीज से बाहर कर दिया गया है। उन्हें हैमस्ट्रिंग और एकिलीज टेंडन की समस्या है, जिसके कारण वह पहले ही पर्थ और ब्रिस्बेन में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए शुरुआती दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई फैंस के लिए एक राहत की खबर है कि कप्तान पैट कमिंस अगले मैच में वापसी कर सकते हैं। उन्हें क्लीयरेंस मिल चुका है।

अब लक्ष्य टी20 वर्ल्ड कप पर

टीम मैनेजमेंट और फैंस को उम्मीद थी कि हेजलवुड सीरीज के आगे के मैचों में वापसी कर पाएंगे, लेकिन मेडिकल अपडेट के बाद यह स्पष्ट हो गया कि उनकी रिकवरी में अभी और समय लगेगा। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने मंगलवार को जानकारी दी कि हेजलवुड अब अपना पूरा ध्यान अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी पर लगाएंगे। मैकडॉनल्ड ने कहा, वह अब एशेज सीरीज में उपलब्ध नहीं रहेंगे। उनकी तैयारी अब टी20 वर्ल्ड कप की ओर शिफ्ट होगी, जो हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। उन्होंने आगे कहा कि यह निर्णय हेजलवुड और टीम, दोनों के लिए निराशाजनक है। मैकडॉनल्ड ने कहा, श्ये काफी निराशाजनक है, क्योंकि हमें उम्मीद नहीं थी कि उनकी चोट इतनी लंबी चलेगी। हमें लगा था कि वह इस सीरीज में बड़ा योगदान देंगे।

कमिंस की वापसी से राहत

हेजलवुड की अनुपस्थिति के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए एक राहत की खबर यह है कि कप्तान पैट कमिंस की वापसी तय मानी जा रही है। कमिंस पीठ की समस्या के कारण पहले दो टेस्ट नहीं खेल पाए थे। 32 वर्षीय तेज गेंदबाज ने हाल ही में ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा लिया

और उनकी फिटनेस में सुधार देखा गया है। तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होगा और उम्मीद है कि वह टीम की कप्तानी करते हुए खेलेंगे। मैकडॉनल्ड ने कहा, हमने उनकी फिटनेस में अच्छा सुधार देखा है और हमें पूरा भरोसा है कि वह एडिलेड टेस्ट के लिए तैयार रहेंगे।

इंग्लैंड पर बढ़ा दबाव

दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम लगातार दो मैच हारने के बाद मानसिक दबाव में है। अगर वह एडिलेड टेस्ट नहीं जीत पाते, तो एशेज सीरीज़ गंवाने की संभावना और बढ़ जाएगी। टीम फिलहाल कुछ दिनों का ब्रेक लेकर ऑस्ट्रेलिया के समुद्री इलाकों में आराम कर रही है, ताकि खिलाड़ी मानसिक रूप से फ्रेश होकर वापस मैदान में उतरें। इंग्लैंड ने 2010–11 के बाद से ऑस्ट्रेलिया में एशेज टेस्ट नहीं जीता है, जो उनके लिए चिंता का विषय है। इस सीरीज में अब तक ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों में सबसे प्रभावी मिचेल स्टार्क रहे हैं। वह पहले दो टेस्ट में 18 विकेट लेकर लगातार दो बार मैन ऑफ द मैच बने हैं।

आईपीएल 2026 की नीलामी सूची घोषित, 350 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने 2026 सीज़न के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सूची को अंतिम रूप दे दिया है। आईपीएल द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस सूची में 350 खिलाड़ी शामिल हैं, जिन पर 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली आगामी नीलामी में बोली लगाई जाएगी। नीलामी के लिए पंजीकृत 1,390 खिलाड़ियों में से 350 को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिनमें 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में 224 अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी और 14 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो इस साल की नीलामी में नई प्रतिभा और गहराई ला रहे हैं। फ्रैंचाइज़ी कुल 77 उपलब्ध स्लॉट के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें से 31 विशेष रूप से विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं। 350 खिलाड़ियों में से 40 खिलाड़ियों ने खुद को अधिकतम आधार मूल्य 2 करोड़ रुपये में सूचीबद्ध किया है, जिनमें वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई केवल दो भारतीय हैं। नीलामी मंगलवार को दोपहर 2:30 बजे (यूएई समयानुसार दोपहर 1:00 बजे) शुरू होगी। 40 खिलाड़ियों ने अपनी आरक्षित कीमत 2 करोड़ रुपये रखी है, जबकि 9 खिलाड़ी 1.5 करोड़ रुपये की श्रेणी में हैं। चार खिलाड़ियों ने 1.25 करोड़ रुपये और 17 खिलाड़ियों ने 1 करोड़ रुपये की आरक्षित कीमत चुनी है। 75 लाख रुपये की श्रेणी में 42 खिलाड़ी हैं और चार खिलाड़ियों ने 50 लाख रुपये की श्रेणी चुनी है। इसके अलावा, सात खिलाड़ियों का आरक्षित मूल्य 40 लाख रुपये है, और 227 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा समूह 30 लाख रुपये के वर्ग में है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन, जिनके सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक होने की उम्मीद है, क्योंकि कई टीमें एक आक्रामक ऑलराउंडर की तलाश में होंगी, ने बल्लेबाज के रूप में पंजीकरण कराया है और पहले सेट में शामिल होंगे। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक, जॉर्ज लिंडे और श्रीलंका के डुनिथ वेल्लालेज, जो पहले सूची में नहीं थे, को अंतिम रोस्टर में शामिल किया गया है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में डेब्यू पर शतक लगाने वाले खिलाड़ी, 26 साल के अमित की लिस्ट में नई एंट्री

हैदराबाद। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (टी20) 2025 में 26 साल के विकेटकीपर–बैटर अमित पासी ने अपने पहले ही मैच में इतिहास रच दिया। हैदराबाद के जिमखाना मैदान पर खेले गए मुकाबले में अमित पासी ने सर्विसेज के खिलाफ सिर्फ 55 गेंदों में 114 रन ठोक दिए, जिसमें 10 चौके और 9 छक्के शामिल थे। उनकी इस तूफानी पारी की बदौलत बड़ौदा टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 220 रन बनाए और मैच 13 रनों से जीत लिया। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में डेब्यू मैच में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बेहद कम हैं। अब अमित पासी भी उन चुनिंदा बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। अमित से पहले सिर्फ दो ही बल्लेबाज हैं, जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में डेब्यू पर शतक लगाया था। अमित से पहले हैदराबाद से खेलने वाले अक्षय रेड्डी ने 2010 में ऐसा किया था। वहीं, दूसरे नंबर पर शिवम भांबरी हैं, जिन्होंने 2019 में चंडीगढ़ की टीम से इस टूर्नामेंट में डेब्यू करते हुए हिमाचल के खिलाफ 106 रन की पारी खेली थी। अमित पासी की पारी इस सूची में सबसे बड़ी और सबसे तेज शतकीय पारी बन गई है।

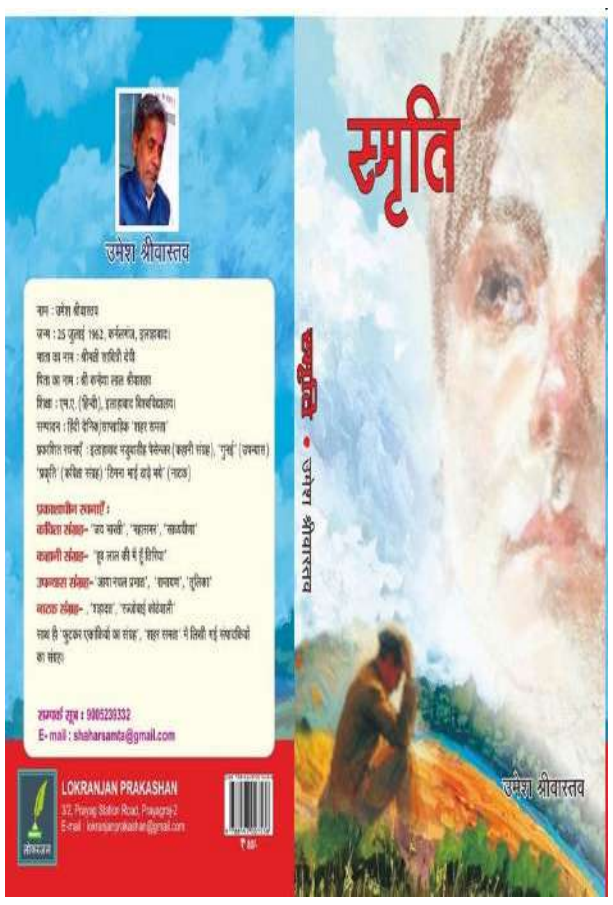

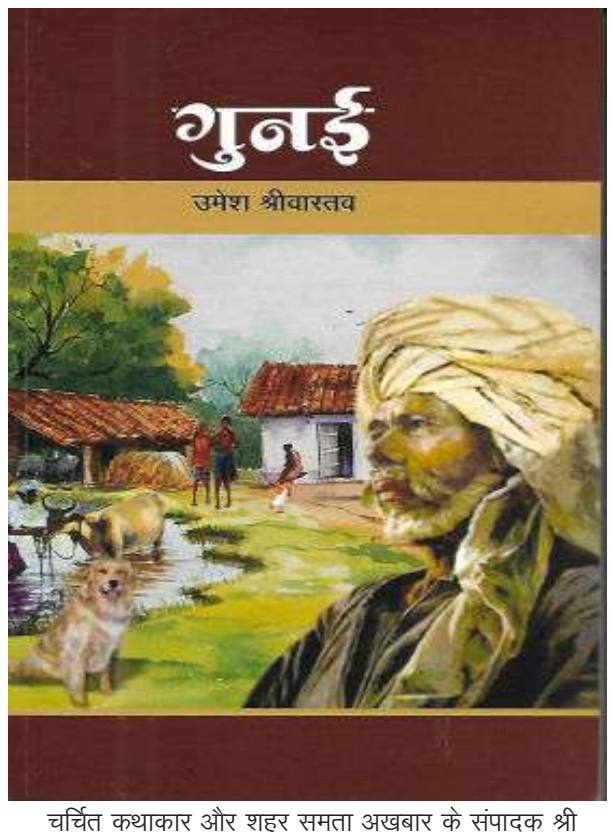

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

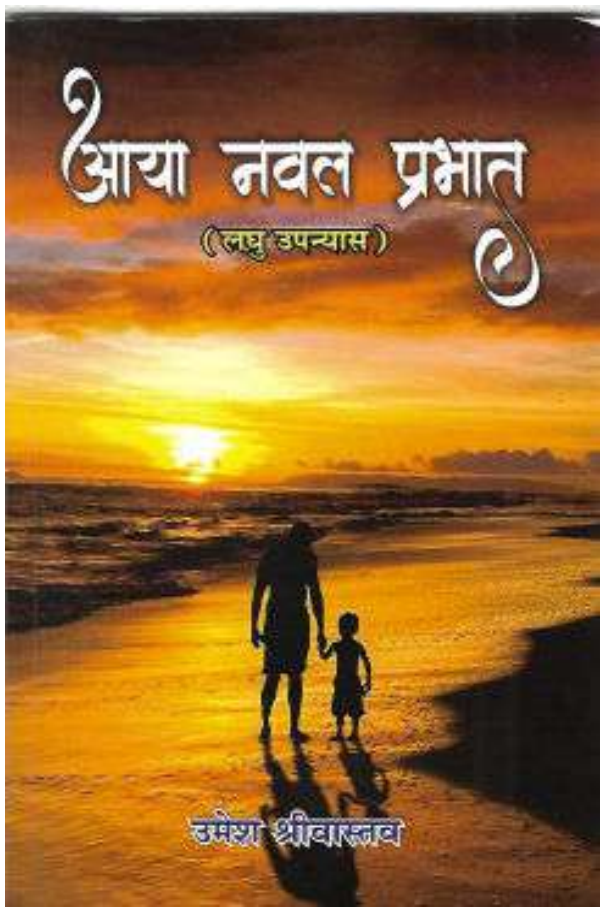

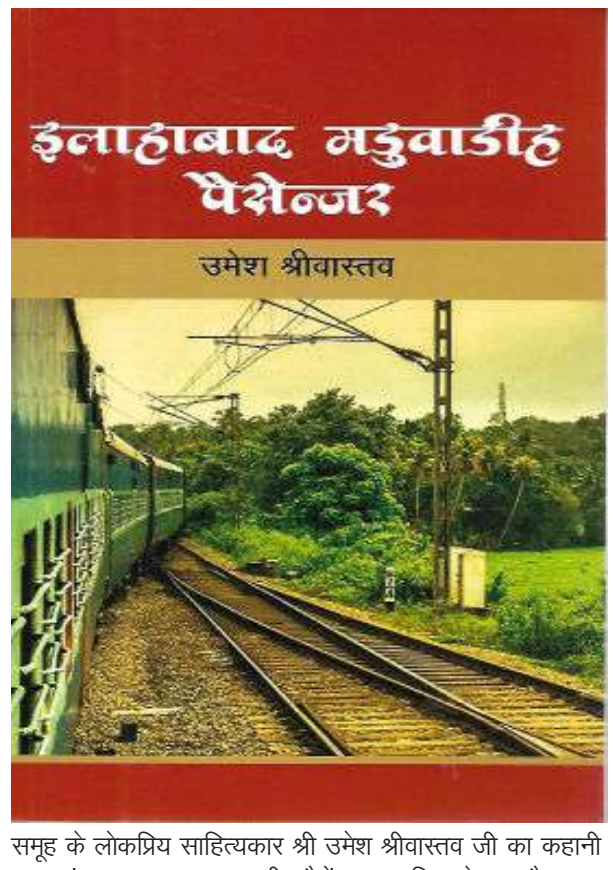

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

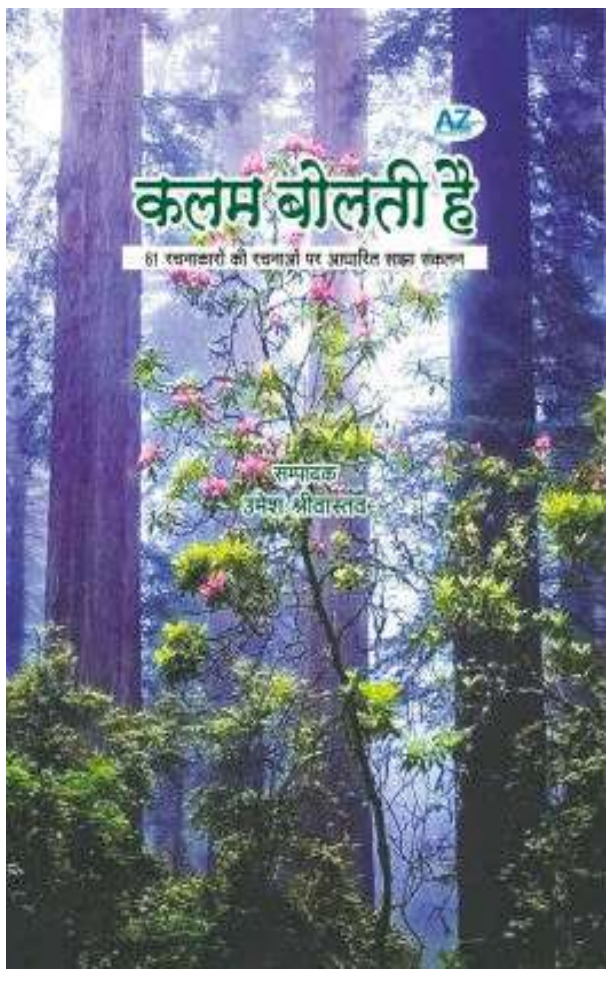

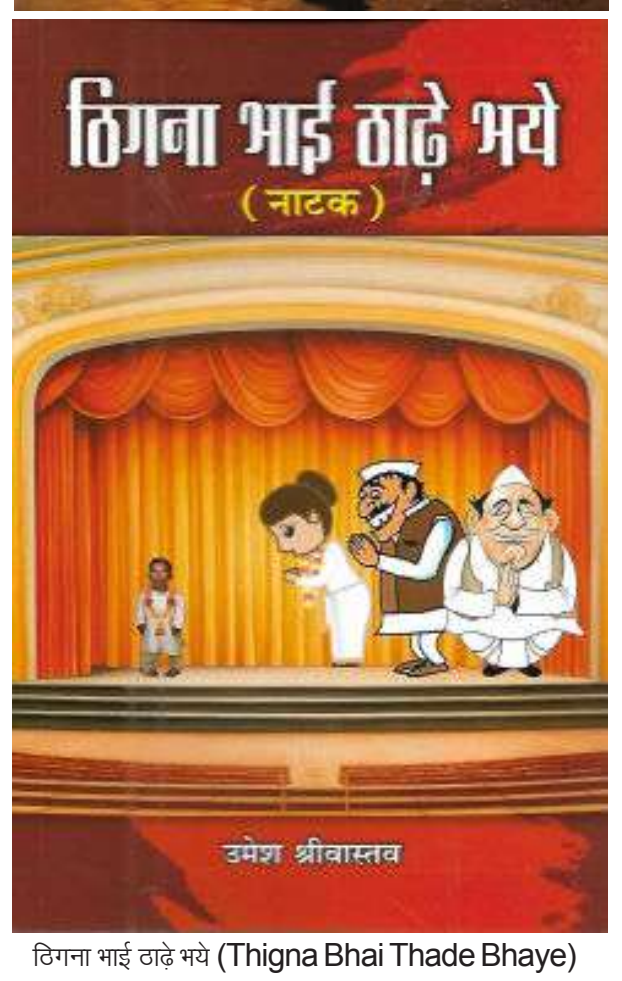

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भारत–नेपाल के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्य किरण संपन्न, डीजीएमओ ने भाईचारे के प्रतीक 'मैत्री वृक्ष' का रोपण किया

भारत–नेपाल संयुक्त अभ्यास सूर्यकिरण का 19वां संस्करण उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में एक समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ, जो एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास का सफल समापन था, भारतीय सेना ने मंगलवार को यह जानकारी

दी। इस अभ्यास ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय टप्के तहत आतंकवाद–रोधी अभियानों के लिए संयुक्त रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं (टीटीपी) को मान्यता प्रदान की, जिसमें आईएसआर और सटीक लक्ष्यीकरण के लिए ड्रोन, एआई–सक्षम निगरानी, घ्मानवरहित लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म, उन्नत दिन/रात के दृश्य और सुरक्षित युद्धक्षेत्र संचार सहित विशिष्ट तकनीकों का प्रभावी एकीकरण शामिल है। उन्नत दिन/रात दृष्टि और सुरक्षित युद्धक्षेत्र संचार। भारतीय सेना ने कहा कि इस सत्यापन ने बटालियन, कंपनी और टीम स्तरों पर निर्बाध अंतर–संचालन, सुसंगत मिशन योजना और संयुक्त अभियानों के समन्वित निष्पादन को प्रदर्शित किया, जिसमें खुफिया जानकारी पर आधारित सर्जिकल कार्रवाइयों और जटिल इलाकों में हवाई प्रवेश पर जोर दिया गया। एक्स पर पोस्ट में कहा गया कि उच्च स्तर की परिचालन तालमेल और आपसी विश्वास की सराहना करते हुए, डीजीएमओ ने एक श्मैत्री वृक्षश लगाया, जो भारत और नेपाल के बीच स्थायी भाईचारे और रणनीतिक साझेदारी का प्रतीक है।

लंदनः हीथ्रो हवाई अड्डे पर मिर्च स्प्रे हमले में ब्रिटेन पुलिस ने 2 और गिरफ्तारियां कीं

लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर हुई घटना की जांच कर रही ब्रिटेन की पुलिस ने सोमवार को दो और गिरफ्तारियां कीं। इस घटना में सप्ताहांत में मिर्च स्प्रे के हमले में 21 लोग मामूली रूप से घायल हो गए थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि डकैती और हमले के संदेह में गिरफ्तार 24 वर्षीय व्यक्ति और डकैती की साजिश के संदेह में गिरफ्तार 23 वर्षीय महिला अभी भी हिरासत में हैं। रविवार को घटनास्थल के निकट डकैती और हमले के संदेह में गिरफ्तार किए गए 31 वर्षीय व्यक्ति को "जांच के तहत" छोड़ दिया गया है, जबकि पुलिस जांच जारी है। मेट पुलिस ने एक बयान में कहा, जांच शुरू की गई, जिसमें पता चला कि हमले से पहले, कार पार्क की लिफ्ट से बाहर निकलने पर दो महिलाओं के सूटकेस लूट लिए गए थे। पुलिस ने बताया, ष्लूट के दौरान, बदमाशों ने महिलाओं पर मिर्च स्प्रे जैसा कोई पदार्थ छिड़का। इस पदार्थ का असर आसपास के लोगों पर पड़ा और उन्हें मामूली चोटें आईं।ष ये गिरफ्तारियां पश्चिम लंदन हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 बहुमंजिला पार्किंग में हुए हमले और डकैती के बाद हुईं। लंदन एम्बुलेंस सेवा ने 21 लोगों का इलाज किया, जिनमें से पांच को पास के अस्पताल ले जाया गया और उन्हें छुट्टी दे दी गई।

भारत ने म्यांमार में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव का आह्वान किया

भारत ने सोमवार को म्यांमार में लोकतंत्र की स्थापना के लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराने का आह्वान किया। भारत की यह टिप्पणी म्यांमार में चुनाव शुरू होने से लगभग दो सप्ताह पहले आई है। देश में चुनाव तीन चरणों में होंगे, जिनकी शुरुआत 28 दिसंबर से होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, भारत म्यांमार में लोकतंत्र की ओर बदलाव का समर्थन करता है और उसका मानना है कि वहां होने वाली चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए सभी राजनीतिक हितधारकों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी होना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत म्यांमार में शांति, वार्ता और सामान्य स्थिति की वापसी के लिए सभी प्रयासों का समर्थन करना जारी रखेगा।

अफगानों पर पाकिस्तान के हमलों की निंदा

भारत ने पाकिस्तान की ओर से अफगान नागरिकों पर किए गए ताजा हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक ब्रीफिंग में कहा, हम सीमा पर हुई झड़पों की खबरों से अवगत हैं, जिनमें कई अफगान नागरिक मारे गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत, अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और स्वतंत्रता का दृढ़ता से समर्थन करता है। यह हमला दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम समझौते के दो महीने से भी कम समय बाद हुआ है।

म्यांमार में चाय की दुकान पर हवाई हमला, 18 मौतें

म्यांमार के ऊपरी–मध्य सागाइंग क्षेत्र में सेना के हवाई हमले में 18 नागरिक मारे गए और 20 घायल हो गए। यह हमला मायाकन गांव की एक चाय की दुकान पर हुआ, जहां दर्जनों लोग टीवी पर म्यांमार बनाम फिलीपीन का फुटबॉल मैच देखने के लिए जमा थे। स्थानीय लोगों ने सोमवार को यह जानकारी दी। मृतकों में पांच वर्षीय बच्चा और दो स्कूल शिक्षक भी शामिल हैं। घटना 5 दिसंबर की रात की है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

सीडीएफ बनते ही आसिम मुनीर ने भारत के खिलाफ उगला जहर, भारतीय सेना करारा सबक सिखाने के लिए पूरी तरह तैयार

आसिम मुनीर ने पाकिस्तान का पहला चीफ ऑफ डिफेन्स फोर्सेज़ (ब्क्थ) बनते ही भारत के खिलाफ जहर उगला है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान के सैन्य ढाँचे में सीडीएफ का पद नया है और पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य ढाँचे के सीडीएस पद को एक तरह से कॉपी किया है। हम आपको बता दें कि मुनीर सीडीएफ के अलावा पहले से ही चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (ब्ॏ) भी बने हुए हैं। इस प्रकार अब पाकिस्तान की सेना, वायुसेना, नौसेना और उसकी परमाणु क्षमता, सबका शीर्ष नियंत्रण एक ही व्यक्ति के हाथों में केंद्रित है। अपने नए पद पर नियुक्ति के बाद ळभ्फ में पहले संबोधन में आसिम मुनीर ने भारत को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भारत ने कोई भी आक्रामक कदम उठाया, तो पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पहले से कहीं अधिक कठोर और विनाशकारी होगी। हम आपको याद दिल दें कि मुनीर ने पिछली बार भी कहा था कि यदि पाकिस्तान पर अस्तित्व का संकट आया तो वह अभूतपूर्व प्रतिक्रिया देगा। अब ब्क्थ बनते ही उन्होंने फिर भारत को चेतावनी भरा संदेश दिया है। देखा जाए तो आसिम मुनीर का सीडीएफ के रूप में भारत के लिए पहला संदेश कोई सामान्य सैन्य वक्तव्य नहीं है। अब पाकिस्तान की सेना, नौसेना, वायुसेना और सबसे महत्वपूर्ण बात यानि परमाणु हथियारों का नियंत्रण, एक ही व्यक्ति के हाथ में है। ऐसे में मुनीर के द्वारा भारत के प्रति दिया गया कठोर प्रतिक्रिया वाला बयान स्वाभाविक रूप से क्षेत्रीय स्थिरता के लिए चिंता पैदा करता है। किन्तु वास्तविकता यह है कि यह चेतावनी न तो भारत को डरा सकती है और न ही पाकिस्तान की स्थिति को मजबूत कर सकती है। बल्कि यह बयान पाकिस्तान

की भीतरी राजनीति और आर्थिक अस्थिरता से जनता का ध्यान हटाने का प्रयास अधिक प्रतीत होता है। पाकिस्तान आज जिस गहरे आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और सामाजिक उथल–पुथल से गुजर रहा है, उसमें भारत का नाम लेकर शत्रुदृभय उत्पन्न करना वहाँ की सेना का पुराना और आजमाया हुआ तरीका है। मगर स्थिति अब वैसी नहीं है जैसी कभी थी। भारत आज आर्थिक, सामरिक और तकनीकी रूप से पहले से कहीं अधिक मजबूत है। भारतीय सेना की क्षमता, रणनीति और आधुनिक युद्ध तैयारी में पिछले एक दशक में व्यापक परिवर्तन आया है। किसी भी संभावित संघर्ष में भारत की प्रतिक्रिया अब केवल सीमित या रक्षात्मक नहीं होगी। यदि पाकिस्तान की ओर से कोई दुस्साहस किया गया, चाहे वह सीमा पर छोटादृसा उकसावा हो या आतंकवाद के नाम पर कोई प्रॉक्सी कार्रवाई, तो उसकी कीमत पाकिस्तान को बेहद महँगी चुकानी पड़ेगी। भारतीय सेना अब ऐसी किसी भी हरकत का उत्तर न केवल तुरंत देगी, बल्कि भयावह और निर्णायक तरीके से देगी। ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई एक उदाहरण थी कि भारत अब आतंकवाद को जमीन में गाड़ देगा। भारतीय सैन्य सिद्धांत में यह स्पष्ट हो चुका है कि पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित आतंकवाद या रणनीतिक दुस्साहस को गहन जवाब मिलेगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय में एक विश्वसनीय शक्ति के रूप में उभरा है। दुनिया अच्छी तरह समझती है कि भारत कोई संघर्ष नहीं चाहता; पर यदि उसे उकसाया गया तो वह निर्णायक कार्रवाई करने में हिचकेगा नहीं। पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति को देखते हुए किसी भी अस्थिरता की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय समर्थन भारत की ओर ही झुकेगा, न कि पाकिस्तान की ओर। इसलिए मुनीर का बयान न केवल अव्यावहारिक है बल्कि पाकिस्तान की कूटनीतिक स्थिति को और कमजोर करता है। साथ ही भारतीय सेना के पास आज अत्याधुनिक मिसाइल प्रणाली, उच्च सटीकता वाले हथियार, तेज़ प्रतिक्रिया बल, उन्नत निगरानी तकनीक और साइबर क्षमताएँ हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और ढहती राजनीति उस स्तर की प्रतिक्रिया सहन नहीं कर पाएगी जिसकी क्षमता भारत के पास है। इसीलिए कहा जा सकता है कि यदि पाकिस्तान किसी भी प्रकार का दुस्साहस करता है तो यह कदम उसके लिए आत्मघाती साबित हो सकता है। बहरहाल, मुनीर की चेतावनी से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि भारत शांति चाहता है, पर शांति को कमजोरी समझने की भूल यदि पाकिस्तान ने की, तो इस बार भारतीय सेना का जवाब भयावह और निर्णायक होगा।

ब्रिटेन से पाक मूल अपराधियों की वापसी के बदले दो राजनीतिक आलोचकों की मांग का दावा

पाकिस्तान ब्रिटेन में दोषी ठहराए गए ग्रूमिंग गैंग के पाक मूल अपराधियों को अपने देश वापस लेने पर विचार कर सकता है, लेकिन इसके साथ ही उसने दो राजनीतिक आलोचकों के प्रत्यर्पण की मांग भी आगे रखी है. बता दें कि जिन दो नामों का उल्लेख किया गया है, वे शाहज़ाद अकबर और अदिल राजा हैं जो इमरान खान के दौर के बाद से लंदन में निर्वासन में रह रहे हैं और पाक सत्ता ढांचे तथा सेना नेतृत्व पर लगातार आलोचना कर रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार यह प्रस्ताव उस समय सामने आया जब इस्लामाबाद में पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नक़वी और ब्रिटेन की हाई कमिश्नर जेन मैरियट के बीच बैठक हुई। हालांकि आधिकारिक बयान में केवल सुरक्षा सहयोग, फेक न्यूज रोकथाम और अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानियों की वापसी पर चर्चा की पुष्टि की गई है, लेकिन ग्रूमिंग ऑफेंडर

के उल्लेख को सार्वजनिक दस्तावेज़ में शामिल नहीं किया गया हैं। गौरतलब है कि ग्रूमिंग गैंग मामले ने ब्रिटेन में वर्षों से सामाजिक और राजनीतिक बहस को जन्म दिया है। पाक मूल अपराधियों को नागरिकता छिनने के बाद वापस लेने से पाकिस्तान ने पहले कई बार इनकार किया था। इसी पृष्ठभूमि में अब यह कथित क्विड– प्रो– को प्रस्ताव सामने आया है जिसमें पाकिस्तान अपने आलोचकों के प्रत्यर्पण के बदले अपराधियों को स्वीकारने का संकेत दे रहा है। मानवाधिकार समूहों ने इस पर गंभीर आपत्ति जताई है. अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार फाउंडेशन का कहना है कि राजकीय असहमति को दबाने के लिए बच्चों के दुराचार मामलों को कूटनीतिक हथियार बनाना अनुचित और चिंताजनक है। अदिल राजा को पहले ही अनुपस्थिति में कोर्ट मार्शल कर 14 वर्ष की सजा सुनाई जा चुकी है। फाउंडेशन का कहना है कि इस संदर्भ में ब्रिटेन को कानूनी और नैतिक जोखिमों का मूल्यांकन अवश्य करना चाहिए। इधर कई टिप्पणीकारों ने यह भी कहा है कि पाकिस्तानी सत्ता संरचना ग्रूमिंग मामलों को लीवरेज की तरह इस्तेमाल कर रही है। वहीं यूके समाज में ग्रूमिंग पीड़ितों के भरोसे को लेकर भी चिंता बढ़ी है, क्योंकि कई सर्वाइवर समूह पहले ही न्यायिक प्रक्रिया में ढिलाई और राजनीतिक प्रयोजन का आरोप लगा चुके हैं। वर्तमान स्थिति में दोनों देशों के बीच कोई औपचारिक प्रत्यर्पण संधि नहीं है, और मामला संवेदनशील कानूनी ढांचे के बीच आगे बढ़ रहा है जिसे लेकर कई आशंकाएँ कायम हैं।

अभी तक किसी भी देश की ओर से इस प्रस्ताव की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन रिपोर्टों ने कूटनीतिक हलकों में नई बहस और विवाद पैदा कर दिया है। ब्रिटेन में राष्ट्रीय स्तर की जांच अभी भी रूकी हुई है और पाकिस्तान के इस कथित रुख से इसे और जटिल बनाने की आशंका व्यक्त की जा रही हैं।

उइगर नरसंहार मान्यता दिवस के चार साल पूरे, चीनी अत्याचारों के खिलाफ कार्रवाई का वैश्विक आह्वान

विश्व उइगर कांग्रेस (डब्ल्यूयूसी) ने 9 और 10 दिसंबर को उइगर नरसंहार मान्यता दिवस की स्थापना और उइगर न्यायाधिकरण के अंतिम फैसले के चार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में, जारी उइगर नरसंहार के पीड़ितों को याद किया। डब्ल्यूयूसी ने कहा कि उइगर न्यायाधिकरण की स्थापना जून 2020 में उसके पूर्व अध्यक्ष डोलकुन ईसा के अनुरोध पर की गई थी, ताकि पूर्वी तुर्किस्तान के उइगरों, कज़ाकों और अन्य तुर्क

मुस्लिम लोगों के खिलाफ चीन द्वारा किए गए कथित अत्याचारों का दस्तावेजीकरण किया जा सके। सर जेफ्री नाइस की अध्यक्षता वाले इस स्वतंत्र न्यायाधिकरण में कानूनी विशेषज्ञ, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि शामिल थे, और इसने नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों की जाँच की। डब्ल्यूयूसी के अध्यक्ष तुर्गुंजन अलाउदुन के हवाले से, विज्ञप्ति में कहा गया है कि 9 दिसंबर हमें याद दिलाता है कि नरसंहार कोई अमूर्त ऐतिहासिक अवधारणा नहीं है, बल्कि उइगर लोगों द्वारा झेली जा रही एक दैनिक वास्तविकता है।ष उन्होंने आगे कहा कि न्यायाधिकरण ने ऐसे भारी सबूत पेश किए हैं जिन्हें दुनिया अब और नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती, और चेतावनी दी कि एक समुदाय के खिलाफ नरसंहार को जारी रखने की अनुमति देना वैश्विक सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए खतरा है। डब्ल्यूयूसी के अनुसार, न्यायाधिकरण ने जून, सितंबर और नवंबर 2021 में हुई सुनवाई के बाद 9 दिसंबर, 2021 को अपना अंतिम फैसला सुनाया। यह फैसला 500 से ज़्यादा गवाहों के बयानों, एक पूर्व चीनी पुलिस अधिकारी सहित 30 से ज़्यादा प्रत्यक्ष गवाहों की गवाही और 40 विशेषज्ञ गवाहों के इनपुट पर आधारित था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि न्यायाधिकरण इस निष्कर्ष पर पहुँचा है कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना (पीआरसी) उइगर लोगों के ख़िलाफ़ नरसंहार और मानवता के ख़िलाफ़ अपराध कर रहा है। डब्ल्यूयूसी ने आगे उल्लेख किया कि कम से कम दस राष्ट्रीय संसदों ने औपचारिक रूप से इन अत्याचारों को मान्यता दी है। हालाँकि, संगठन ने ज़ोर देकर कहा कि केवल प्रतीकात्मक मान्यता अपर्याप्त है, खासकर जब चीन अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है और संयुक्त राष्ट्र का सबसे बड़ा बजट योगदानकर्ता बन गया है, जैसा कि विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया है। न्यायाधिकरण के फैसले के चार साल बाद, डब्ल्यूयूसी ने आरोप लगाया कि चीन नरसंहार को छुपाने की कोशिश कर रहा है। तथाकथित ष्पुनर्शिक्षाष शिविरों को बंद करने के दावों के बावजूद, संगठन ने ज़ोर देकर कहा कि लंबी अवधि के कारावास, हिरासत केंद्रों और जबरन श्रम योजनाओं के साथ–साथ पूरे चीन में श्रमिकों के स्थानांतरण सहित अन्य तरीकों से सामूहिक हिरासत जारी है। डब्ल्यूयूसी के अनुसार, कई बंदी रिहाई के बाद भी कड़ी, आजीवन निगरानी में रहते हैं।

पाकिस्तानः नोकुंडी हमले से बलूचिस्तान में विदेशी निवेश पर छाया संकट, कर्मचारियों के आवास को बनाया जा रहा निशाना

बलूचिस्तान के नोकुंडी में रेको दिक और संदक खनन परियोजनाओं से जुड़े आवासीय परिसर पर हाल ही में हुए आतंकवादी हमले ने क्षेत्र में संघर्ष को और बढ़ा दिया है और विदेशी निवेशकों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है। 30 नवंबर की देर रात को किए गए इस हमले में पाकिस्तान की सबसे मूल्यवान खनिज परियोजनाओं पर काम कर रहे विदेशी इंजीनियरों और कर्मचारियों के आवास को निशाना बनाया गया। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह अभियान उसकी नवगठित सद्दो ऑपरेशनल बटालियन (एसओबी) द्वारा चलाया गया था। हमले की शुरुआत फ्रंटियर कोर मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर एक आत्मघाती बम विस्फोट से हुई, जिसके बाद आवासीय क्षेत्र में सशस्त्र घुसपैठ की गई। समूह ने दावा किया कि उसके लड़ाके 36 घंटे से ज़्यादा समय तक पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के ख़िलाफ़ डटे रहे, जिससे यह हाल के वर्षों में सबसे लंबे और समन्वित हमलों में से एक बन गया। यह हमला अपने स्थान के कारण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। नोकुंडी और आसपास के इलाके बलूचिस्तान के सबसे ज़्यादा सुरक्षा वाले इलाकों में से हैं, क्योंकि यहाँ अरबों डॉलर की विदेशी निवेश परियोजनाएँ मौजूद हैं, जिनमें बैरिक गोल्ड की रेको दिक खदान और चीन द्वारा संचालित सैंदक तांबा–सोना परियोजना शामिल है।

चेक गणराज्य में फिर सत्ता में आए अरबपति आंद्रेज बाबिस, नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली

प्राग। चेक गणराज्य में राजनीति का बड़ा बदलाव हुआ है। अरबपति पॉपुलिस्ट नेता आंद्रेज़ बाबिस ने मंगलवार को देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह बाबिस की सत्ता में दूसरी पारी है, वे इससे पहले 2017 से 2021 तक भी प्रधानमंत्री रह चुके हैं। शपथ लेते समय बाबिस ने कहा कि वे देश के हितों की रक्षा दुनिया में कहीं भी करेंगे और चेक गणराज्य को धरती पर रहने के लिए सबसे बेहतर जगह बनाने के लिए पूरी कोशिश करेंगे। चेक राष्ट्रपति पेट्र पावेल ने आम चुनावों में एएनओ मूवमेंट की बड़ी जीत के बाद आंद्रेज बाबिस को नई सरकार बनाने का आमंत्रण दिया। बाबिस ने दो छोटे राजनीतिक दलों एंटी–इमिग्रेशन रुख वाली फ्रीडम एंड डायरेक्ट डेमोक्रेसी पार्टी और दक्षिणपंथी मोटरिस्ट्स फॉर देमसेल्व्स के साथ मिलकर बहुमत गठबंधन तैयार किया है। यह गठबंधन संसद के निचले सदन में 200 में से 108 सीटों के साथ मजबूत स्थिति में है। नयी सरकार में कुल 16 मंत्री शामिल होंगे, जिनमें ।छव् के पास 8 मंत्रालयों के साथ प्रधानमंत्री का पद भी रहेगा, जबकि मोटरिस्ट्स फॉर देमसेल्व्स को 4 मंत्रालय और फ्रीडम समूह को 3 मंत्रालय मिलेंगे। यह नई राजनीतिक साझेदारी देश की नीतियों में बड़े बदलाव का संकेत मानी जा रही है। विश्लेषकों का कहना है कि नई सरकार यूक्रेन को सहायता कम कर सकती है और हंगरी तथा स्लोवाकिया की तरह म्न् नीतियों पर कड़ा रुख अपना सकती है, खासकर पर्यावरण और प्रवास जैसे मुद्दों पर। इससे देश की विदेश नीति में बड़ा बदलाव संभव है। 71 वर्षीय बाबिस अभी भी म्न् सब्सिडी घोटाले से जुड़े धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रहे हैं। कोर्ट में मामला आगे बढ़ाने के लिए नए संसद को उनकी सांसदीय प्रतिरक्षा हटानी पड़ सकती है। प्रधानमंत्री बनने की अनुमति पाने के लिए बाबिस ने अपनी विशाल व्यावसायिक संपत्तियों को लेकर सार्वजनिक घोषणा की कि उनकी ।हतवमितज समूह (200 कंपनियों का कंसोर्टियम) अब एक ट्रस्ट फंड के तहत चलेगा। इसकी निगरानी एक स्वतंत्र प्रोटेक्टर करेगा। उनकी मृत्यु के बाद यह संपत्ति परिवार को हस्तांतरित होगी। बाबिस कई क्लीनिक और लैब्स के भी मालिक हैं, जबकि उनकी पार्टी ।छव् का एक करीबी सहयोगी नए स्वास्थ्य मंत्री की दौड़ में है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

इंडोनेशिया के जकार्ता में सात मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में लगी भीषण आग, 17 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के केमायोरन इलाके में मंगलवार दोपहर एक सात मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आग पर काबू पा लिया गया है और इमारत के अंदर राहत व खोजबीन अभियान जारी है। इस जानकारी की पुष्टि सेंट्रल जकार्ता पुलिस प्रमुख सुसात्यो पुरनोमो कोंड्रो ने की। कोंड्रो के अनुसार आग दोपहर के समय इमारत की पहली मंजिल पर लगी और धीरे–धीरे ऊपर की मंजिलों तक फैल गई। जिस समय आग लगी, कई कर्मचारी लंच कर रहे थे, जबकि कुछ ऑफिस से बाहर जा चुके थे। जकार्ता डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी (ठच्ठक) के प्रमुख इस्नावा अदजी ने बताया कि आग के कारणों की जांच जारी है और नुकसान के आकलन पर काम हो रहा है।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।